बुधवार, 13 अगस्त 2025

मौसम

तापमान 26 – 33
आर्द्रता 80%
सूर्योदय: 5:12 सूर्यास्त: 18:11

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, भाद्रपद कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : पौधा हो या विचार, पनपेगा वही जिसे आप पानी देंगे।

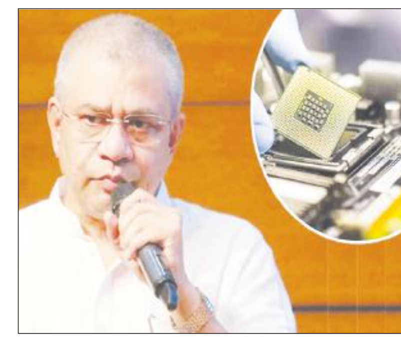

ओडिशा, पंजाब, आंध्र में चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी

पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

मतदाता सूची में नाम जोड़ना-हटाना निर्वाचन आयोग का अधिकार: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े विवाद को ''मोटे तौर पर विश्वास की कमी का मुद्दा'' बताया और कहा कि मतदाता सूची में नागरिकों एवं गैर-नागरिकों को शामिल करना या बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से तीखे सवाल पूछे और कहा कि किसी जीवित व्यक्ति को मृत या मृत व्यक्ति को जीवित घोषित करने में, अनजाने में हुई किसी भी त्रुटि को सुधारा जा सकता है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा, ''नागरिकता देने या छीनने का कानून संसद द्वारा पारित किया जाता है, लेकिन नागरिकों और गैर-नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।'' शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग के इस

निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा और कहा कि इसके समर्थन में अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए। पीठ ने सिंघवी से कहा, ''निर्वाचन आयोग का यह कहना सही है कि आधार को नागरिकता के निर्णायक सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसे सत्यापित करना होगा। आधार अधिनियम की धारा नौ में स्पष्ट रूप से ऐसा कहा गया है।'' वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि 2003 (बिहार में अंतिम गहन पुनरीक्षण का वर्ष) और 2025 के बीच 22 वर्ष की अवधि में कई लोगों ने पांच से छह चुनावों में मतदान किया था, लेकिन चुनाव से दो महीने पहले अचानक यह कहा जाने लगा कि इन लोगों के नाम सूची में नहीं होंगे। सिंघवी ने निर्वाचन आयोग पर पांच करोड़ लोगों को अवैध घोषित करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''पांच करोड़ लोगों की नागरिकता पर संदेह नहीं किया जा सकता।'' पीठ ने कहा कि यदि कुछ भी संदिग्ध पाया गया तो वह 2025 की सूची में शामिल सभी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दे सकती है। सिंघवी ने इस बात पर सहमति जताई कि निर्वाचन आयोग के पास मतदाता सूची में नागरिकों या गैर-नागरिकों को शामिल करने या बाहर करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग नागरिकता का निर्धारण नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग का उद्देश्य कभी भी नागरिकता का पुलिसकर्मी बनना नहीं है... यहां जो हो रहा है वह वास्तव में नाम हटाना है। निर्वाचन आयोग नागरिकता का निर्धारक नहीं बन सकता।'' राजद नेता मनोज झा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि निवासियों के पास आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र होने के बावजूद, निर्वाचन अधिकारियों ने इन दस्तावेजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, ''क्या आपकी दलील यह है कि जिन लोगों के पास कोई दस्तावेज़ नहीं है, लेकिन वे बिहार में हैं, इसलिए उन्हें राज्य का मतदाता माना जाना चाहिए? इसकी अनुमति दी जा सकती है। उन्हें कुछ दस्तावेज़ दिखाने या जमा करने होंगे।'' पीठ ने कहा, ''यदि 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ मतदाताओं ने एसआईआर पर जवाब दिए हैं, तो इससे एक करोड़ मतदाताओं के लापता होने या मताधिकार से वंचित होने का सिद्धांत ध्वस्त हो जाता है।''

सिर्फ आधार, पैन या वोटर आईडी से नागरिकता साबित नहीं: मुंबई हाईकोर्ट

मुंबई : मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि कोई व्यक्ति सिर्फ आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज रखने से भारत का नागरिक नहीं बन जाता। अदालत ने यह टिप्पणी कथित तौर पर बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार करते हुए की। जमानत अर्जी दाखिल करने वाले उक्त व्यक्ति पर जाली और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में एक दशक से भी अधिक समय तक रहने का आरोप है। न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने कहा कि नागरिकता अधिनियम के प्रावधान यह निर्धारित करते हैं कि भारत का नागरिक कौन हो सकता है और नागरिकता कैसे प्राप्त की जा सकती है तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज केवल पहचान या सेवाओं का लाभ उठाने के लिए हैं। अदालत ने कथित बांग्लादेशी नागरिक बाबू अब्दुल रऊफ सरदार को जमानत देने से इनकार कर दिया, जो बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ था। उसने कथित तौर पर फर्जीवाड़ा कर आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और भारतीय पासपोर्ट जैसे दस्तावेज 1बनवा लिये थे।

पुलिस पर जमकर बरसीं ममता, पूछा... 'क्यों हो रही है इतने नेताओं की हत्या?'

■ मुख्य सचिव की बैठक में औंचक पहुंची मुख्यमंत्री

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर कड़ा संदेश दिया है। सोमवार की रात घटी सोनामुखी की घटना को लेकर मंगलवार को राज्य सचिवालय नवान्न में एक बैठक में मुख्यमंत्री का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने सवाल किया कि बंगाल में इतनी हत्याएं क्यों हो रही हैं? पुलिस क्या कर रही है? पुलिस पहले से कुछ पता क्यों नहीं लगा पाती? बता दें कि इस दिन, मुख्य सचिव मनोज पंत की अध्यक्षता में 'हमारा पड़ोस, हमारा समाधान' परियोजना पर जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और एसपी के साथ वर्चुअल बैठक चल रही थी। औचक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में शामिल हो गईं। बैठक में उन्होंने साफ कहा कि राज्य में हो रही एक के बाद एक हत्याएं गंभीर चिंता का विषय हैं और इन्हें रोकने के लिए सभी स्तर पर सख़्त कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने पुलिस आयुक्तों (सीपी) और जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को साफ चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी केवल थानों के आईसी और ओसी पर छोड़कर वे खुद बच नहीं सकते, वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी।

प्रवासी मजदूरों के मुद्दे पर भी अधिकारियों को विशेष निर्देश

ममता बनर्जी ने प्रवासी मजदूरों के मुद्दे पर भी अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि इन मजदूरों को उनके बच्चों के स्कूल में दाखिले से लेकर राज्य की 'स्वास्थ्य साथी' और 'कृषक बंधु' जैसी योजनाओं का लाभ तुरंत दिलाया जाए। साथ ही, इन्हें 'कर्मश्री' योजना के दायरे में लाया जाए। ममता बनर्जी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां-जहां आम जनता के लिए सुविधाजनक हो, वहीं पर कैंप लगाए जाएं और इसकी जानकारी पहले से लोगों को दी जाए, ताकि वे योजनाओं का लाभ लेने पहुंच सकें।

बंगाल सरकार मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में शामिल कर्मचारियों के साथ खड़ी हैं : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में शामिल कर्मचारियों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को राज्य सचिवालय 'नवान्न' में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक में ममता बनर्जी ने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और बिना किसी भय के निर्वहन करें। अधिकारी ने कहा कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची के काम में लगे लोगों को डर के माहौल में नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने असम में एनआरसी प्रक्रिया का जिक्र किया और असम सरकार पर निवासियों में दहशत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

रविवार को बंद रहेगा विद्यासागर सेतु, यात्रियों को होगी परेशानी

कोलकाता, समाज्ञा : विद्यासागर सेतु (द्वितीय हुगली सेतु) रविवार को सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा। यह निर्णय सेतु के मरम्मत कार्य और कोना एक्सप्रेसवे के एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के कार्य के कारण लिया गया है। इस दौरान किसी भी वाहन को सेतु से गुजरने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भारी वाहनों पर पाबंदी इससे भी पहले लागू हो जाएगी। शनिवार रात 9 बजे से लेकर रविवार रात 9 बजे तक ट्रक और लॉरी को विद्यासागर सेतु में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सेतु बंद रहने के दौरान छोटी गाड़ियों को हावड़ा ब्रिज से होकर जाने का निर्देश दिया गया है, जबकि मालवाहक गाड़ियां निवेदिता सेतु और बी.टी. रोड मार्ग से होकर जाएंगी। पुलिस और परिवहन विभाग का मानना है कि इस दौरान हावड़ा ब्रिज और उसके आस-पास के क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम की संभावना बनी रहेगी।

दोषी व्यक्तियों का ओसीआई कार्ड रद्द किया जाएगा : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली : गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को बिना किसी वीजा के भारत आने की अनुमति देने वाला प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड रद्द कर दिया जाएगा, अगर किसी को कम से कम दो साल की जेल की सजा सुनाई गई हो या उसका नाम सात साल या उससे अधिक की कैद की सजा वाले अपराध के लिए आरोप पत्र में हो। मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में कहा गया है, नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) की धारा 7डी के खंड (डीए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, केंद्र सरकार ओ-सीआई का पंजीकरण तब रद्द कर सकती है, जब किसी व्यक्ति को कम से कम दो वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई हो या सात वर्ष या उससे अधिक की कैद की सजा वाले अपराध के लिए आरोप पत्र दाखिल किया गया हो। ओसीआई योजना अगस्त 2005 में शुरू की गई थी। यह भारतीय मूल के सभी व्यक्तियों के ओसीआई के रूप में पंजीकरण का प्रावधान करती है, जो 26 जनवरी, 1950 या उसके बाद भारत के नागरिक थे या 26 जनवरी, 1950 को भारत के नागरिक बनने के पात्र थे, सिवाय उन लोगों के जो पाकिस्तान, बांग्लादेश या ऐसे अन्य देश के नागरिक हैं या रहे हैं, जिन्हें केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट कर सकती है।

भारत और चीन के बीच जल्द ही उड़ान सेवाएं फिर से शुरू होने की संभावना

नयी दिल्ली : भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष उड़ान सेवाएं जल्द फिर से शुरू करने को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत अग्रिम चरण में है। मामले से जुड़े लोगों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तिआनजिन शहर जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। भारत और अमेरिका के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर उत्पन्न कुछ तनाव के बीच दो एशियाई शक्तियों के बीच उड़ान सेवाएं फिर शुरू करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि भारत और चीन चार सीमा पार पारगमन बिंदुओं के माध्यम से व्यापार को फिर से शुरू करने के लिए सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान सेवाएं 2020 में कोविड-19 महामारी के चलते निलंबित कर दी गई थीं।

चुनाव आयोग के तलब पर आज दिल्ली जाएंगे मुख्य सचिव मनोज पंत

■ निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव को तलब कर 'दागी' अधिकारियों को न हटाने पर स्पष्टीकरण हैं मांगा

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय चुनाव आयोग और राज्य सरकार के बीच एक बार फिर टकराव की स्थिति बन गई है। चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत को दिल्ली तलब किया है। राज्य के शीर्ष नौकरशाह को शाम 5 बजे तक निर्वाचन सदन में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया। आयोग का आरोप है कि उसने मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप में चार अधिकारियों को निलंबित करने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था, लेकिन राज्य सरकार ने इस

पर अमल नहीं किया। सचिवालय की एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, आयोग के इस तलब पर मनोज पंत बुधवार की सुबह दिल्ली रवाना होंगे। उन्होंने अपने करीबी सूत्रों से कहा कि जब बुलाया है तो जाना ही होगा। मुख्य सचिव आयोग के सामने यह भी स्पष्ट करेंगे कि राज्य सरकार ने आरोपित अधिकारियों के खिलाफ आंतरिक जांच क्यों शुरू की है।

बता दें कि मामला पांच अगस्त को शुरू हुआ था, जब चुनाव आयोग ने पत्र भेजकर मोयना और बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (एईआरओ) को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया था। आरोप था कि मतदाता सूची में नाम दर्ज करने की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ कर दिया था कि किसी को दंडित नहीं किया जाएगा। इसके बाद, पिछले शुक्रवार को आयोग ने दोबारा मुख्य सचिव को पत्र भेजकर आदेश का पालन करने और सोमवार दोपहर तीन बजे तक रिपोर्ट देने को कहा। लेकिन नवान्न की ओर से सोमवार को भेजे गए जवाब में बताया गया कि मोयना के आरोपित एईआरओ और डेटा एंट्री ऑपरेटर को केवल चुनावी कार्य से हटाया गया है, न कि निलंबित किया गया। आयोग ने इसे आदेश का उल्लंघन मानते हुए मुख्य सचिव को तलब कर लिया है।

अंबानी परिवार देश का सबसे अमीर कारोबारी घराना, अदाणी परिवार दूसरे स्थान पर

मुंबई : उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला अंबानी परिवार 28 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ देश का सबसे समृद्ध कारोबारी घराना है जबकि अदाणी परिवार 14.01 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। शोध एवं रैंकिंग फर्म हुरुन ने कारोबारी घरानों की संपत्ति में पिछले एक साल में आए बदलाव पर यह रिपोर्ट बार्कलेज के साथ मिलकर तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 300 सबसे मूल्यवान परिवारों की कुल संपत्ति 140 लाख करोड़ रुपये (1.6 लाख करोड़ डॉलर) से अधिक है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 40 प्रतिशत है। अकेले अंबानी परिवार की ही संपत्ति देश की जीडीपी के 12 प्रतिशत के बराबर है। पिछले एक साल में अंबानी परिवार की संपत्ति में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ अंबानी परिवार ने देश में सबसे अधिक संपत्ति वाले परिवार के तौर पर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं, गौतम अदाणी की अगुवाई वाले अदाणी परिवार को 'पहली पीढ़ी के उद्यमी' के तौर पर शुरू सबसे मूल्यवान पारिवारिक कारोबार का मालिक बताया गया है।

संसद ने छह दशक पुराने कानून को बदलने के लिए नए आयकर विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : संसद ने छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए मंगलवार को नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी। नया कानून एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। राज्यसभा में आयकर विधेयक, 2025 पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा इसमें कर की कोई नयी दर नहीं है और इसमें सिर्फ भाषा को सरल बनाया गया है, ताकि जटिल आयकर कानून को समझने में आसानी हो।

भारत विश्व का कल्याण चाहने वाला देश : मोहन भागवत

सीकर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत हमेशा से ही विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है और यहां के वेदों में सभी शास्त्र निहित हैं। डॉ. भागवत ने मंगलवार को राजस्थान के सीकर जिले में स्थित श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर, रैवासा धाम में ब्रह्मलीन पूज्य रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित 'श्री सियपिय मिलन समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी राघवाचार्य की तीन फुट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण भी किया। सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास ने भी जब आंखें नहीं खोली थीं, तब से विश्व को सत्य, धर्म और आध्यात्म का मार्ग दिखाने तथा मानवता के कल्याण का कार्य भारतवर्ष और भारत का हिंदू समाज कर रहा है।

पाकिस्तान की धमकी पर मिथुन चक्रवर्ती का पलटवार: ब्रह्मोस और 'सुनामी' से देंगे जवाब

कोलकाता : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी की सिंधु जल संधि पर टिप्पणी पर अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कड़ा जवाब देते हुए चेतावनी दी कि भारत ब्रह्मोस मिसाइलों से प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतीय एक बांध में शौच करेंगे और बांध खोलने पर पड़ोसी देश में 'सुनामी' आ जाएगी। चक्रवर्ती ने साफ किया कि उनका गुस्सा पाकिस्तान की आम जनता पर नहीं, बल्कि वहां के प्रतिष्ठान पर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोग युद्ध नहीं चाहते, लेकिन उकसावे की स्थिति में भारत कड़ा जवाब देगा। बिलावल ने कहा था कि सिंधु नदी पर हमले की कोशिश हुई तो पाकिस्तान के हर प्रांत के लोग मुकाबले को तैयार रहेंगे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर कई दंडात्मक कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल है।

अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा भारत: प्रधानमंत्री मोदी

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। मुंबई में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत में परंपरा और नवाचार का मेल है। मोदी ने कहा, ''भारत के पास दुनिया की सबसे ऊंची खगोलीय वेधशालाओं में से एक लद्दाख में स्थित है। तारों पर अध्ययन करने के लिए यह वेधशाला समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की शक्ति में विश्वास करता है।'' विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर मोदी ने कहा, ''हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले देश थे।'' उन्होंने कहा, ''भारत वैज्ञानिक जिज्ञासा को पोषित करने

और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अटल टिंकरिंग लैब्स में एक करोड़ से अधिक छात्र व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) अवधारणाओं को समझ रहे हैं।'' मोदी ने कहा, ''इससे सीखने और नवाचार की संस्कृति का निर्माण हो रहा है। ज्ञान तक पहुंच को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए, हमने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना शुरू की है। यह लाखों छात्रों और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करती है।'' उन्होंने कहा कि भारत एसटीईएम क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी के मामले में एक अग्रणी देश है। उन्होंने कहा, ''विभिन्न पहलों के तहत, अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश किया जा रहा है। हमने दुनिया भर से आप जैसे युवा प्रतिभाओं को भारत में अध्ययन, अनुसंधान और सहयोग के लिए आमंत्रित किया। कौन जानता है, हो सकता है कि अगली बड़ी वैज्ञानिक खोज ऐसी साझेदारियों से ही जन्म ले।'' मोदी ने कहा, ''जैसे-जैसे हम ब्रह्मांड का अन्वेषण करते हैं, हमें यह भी पूछना चाहिए कि अंतरिक्ष विज्ञान धरती पर लोगों के जीवन को और कैसे बेहतर बना सकता है, किसानों को कैसे और सटीक मौसम पूर्वानुमान मुहैया कराये जा सकते हैं, क्या हम प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी कर सकते हैं, क्या हम जंगलों में लगने वाली आग और पिघलते हिमनद की निगरानी कर सकते हैं, क्या हम दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए बेहतर संचार प्रणाली बना सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''विज्ञान का भविष्य आपके हाथों में है, यह वास्तविक दुनिया की समस्याओं को कल्पना और सहानुभूति के साथ हल करने में है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप पूछें, 'वहां बाहर क्या है'?''

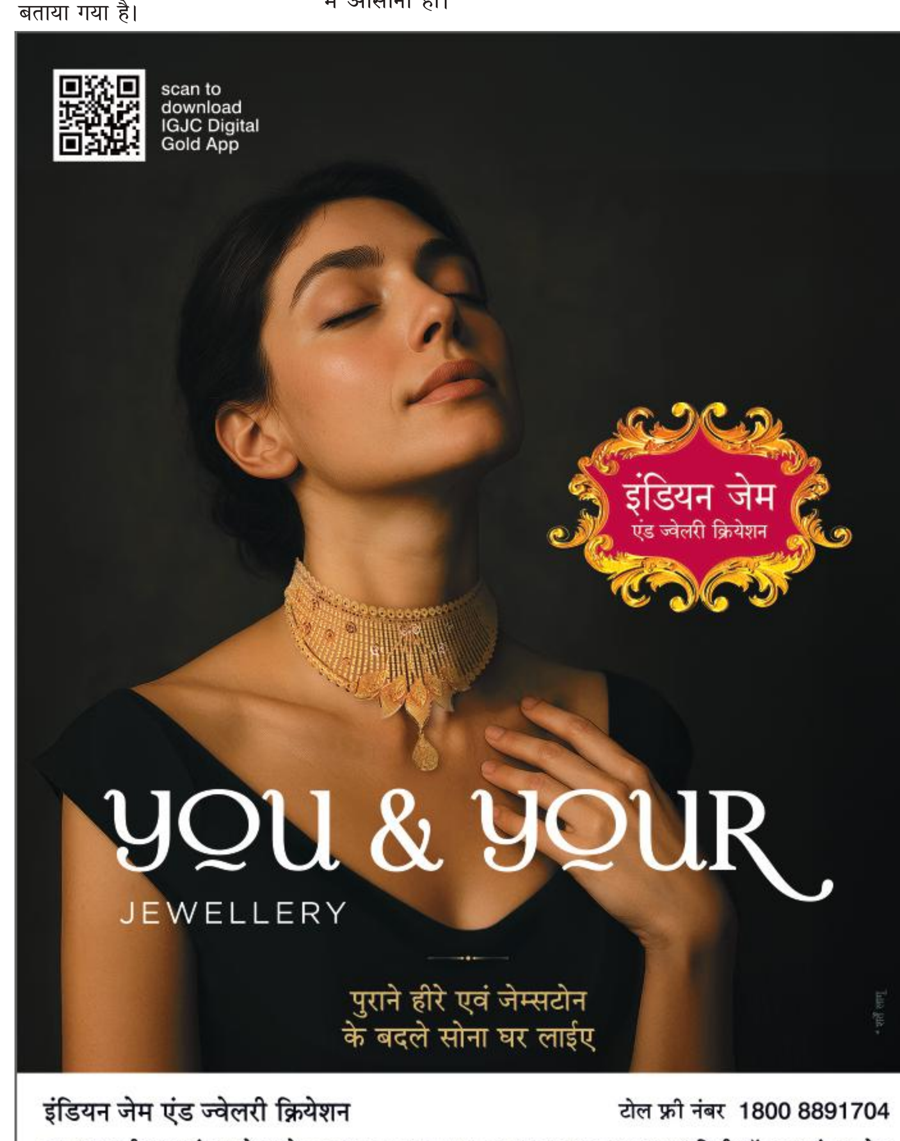

इंडियन जेम एंड ज्वेलरी क्रियेशन
टोल फ्री नंबर 1800 8891704

9B, वुड स्ट्रीट : ग्राउंड फ्लोर, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89018 साउथ सिटी मॉल : ग्राउंड फ्लोर, 375, प्रिंस अनवर शाह रोड, कोलकाता 700 068 M +91 89810 89029 सिटी सेंटर II, राजारहाट : ब्लॉक - B', दूसरी मंजिल, शॉप नंबर 201, न्यू टाउन, कोलकाता 700 157 M +91 89810 89066 हावड़ा : जेपी'स एसी मार्केट (श्री विंध्याचल बिल्डिंग), 35, डॉ. अबनी दत्ता रोड (हावड़ा एसी मार्केट के पास) M +91 89810 89027 वरदान मार्केट : 106, वरदान मार्केट, पहली मंजिल, 25A, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता 700 016 M +91 89810 89003 बागनान : ग्लोरियस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सीटीसी बस स्टैंड के पास, शॉप नंबर 4, पहली मंजिल, बागनान, हावड़ा 711 303 M +91 89810 89024 दुर्गापुर : शॉप नंबर 205, ड्रीमप्लेक्स मॉल, पहली मंजिल, सिटी सेंटर, दुर्गापुर 713 216 M +91 89810 89017 श्रीरामपुर : अग्निशा - II, ग्राउंड फ्लोर, 30, के एम शाह स्ट्रीट, श्रीरामपुर, हुगली 712 201 M +91 89810 89014

हीरे के आभूषण, सॉलिटेयर, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण, पोल्की, कुंदन जड़ाऊ और सार्टिफाइड रत्न, बाय-बैंक सुविधा के साथ

www.indiangem.com

अधिकृत रिटेलर : प्लैटिनम, एमएमटीसी गोल्ड और सिल्वर बार्स

जन-अधिकार बनाने हेतु भागवत का आग्रह

हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण हुआ है, उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेल दिया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। इंदौर में एक किफायती कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते हुए भागवत ने चेताया कि भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की अपील की। निस्संदेह,यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग,मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है।

कमोबेश, शिक्षा की भी यही स्थिति है। सरस्वती के मंदिर आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं। अभिभावकों को उल्टे उस्तरे से मूंडने के लिये नये-नये तौर-तरीके निकाले जा रहे हैं। ट्यूशन फीस ही नहीं, एडमिशन फीस, बिल्डिंग फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम मदों के नाम पर अभिभावकों का दोहन किया जाता है। इतना ही नहीं किताबें व ड्रेस तक शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी वाली दुकानों से खरीदने को बाध्य किया जाता है। यहां तक कि आम शहरों में, माता-पिता प्रति बच्चे पर सालाना साठ हजार से भी ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कुछ अभिभावक तो अपनी आय का लगभग आधा हिस्सा ट्यूशन और शिक्षा से जुड़े मदों पर खर्च कर रहे हैं। पिछले दिनों तब जनाक्रोश चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है। इसमें दो राय नहीं कि शिक्षा हो या स्वास्थ्य, इसे आम आदमी की सामर्थ्य और सेवा भावना के अनुरूप होना चाहिए। मानव कल्याण के दृष्टिकोण से इस दिशा में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। पिछले दिनों दिल्ली के निजी स्कूलों में अनाप-शनाप फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ अभिभावक सड़कों पर उतरे। जिसने दिल्ली सरकार को बाध्य किया कि इस दिशा में सकारात्मक पहल करे। इस आंदोलन के उत्साहजनक परिणाम सामने आए। कालांतर दिल्ली सरकार को निजी स्कूलों की फीस को विनियमित करने वाला विधेयक पारित करने को बाध्य होना पड़ा। जो इस दिशा में एक उत्साहजनक पहल कही जा सकती है। निस्संदेह, भागवत से संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 13 अगस्त, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद कृष्णपक्ष चतुर्थी, 06:36 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 10:23 तक, योग : धृति, 16:01 तक, सूर्योदय: 5:12, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 20:51, चन्द्रास्त: 08:51, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 11:41 से 13:17

राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में मन थोड़ा परेशान रह सकता है और आपके साथियों का भी तनाव बढ़ेगा। सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत रहेगी।

वृष : आपका दिन शुभ रहने वाला है। कारोबार को लेकर आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा।

मिथुन : कार्यक्षेत्र में आपको उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है। अधूरी इच्छा पूरी होने के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क : आपका दिन बेहद उत्तम रहने वाला है और भाग्य का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल प्राप्त होगा और अचानक बड़ी मात्रा में धन प्राप्ति हो सकती है।।

सिंह : राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावना है और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने विरोधियों से भी आगे निकल सकते हैं।

कन्या : आपका दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यस्थल पर विरोधियों की रणनीतियां भी फेल हो जाएंगी। अगर लंबे समय से कोई जरूरी काम बीच में अटका हुआ था अब पूरा हो सकता है।

तुला : नौकरी करने वालों के लिए आय के नए स्रोत बनेंगे। इससे आमदनी में भी वृद्धि होगी। वहीं, कार्यस्थल पर बातचीत करने का तरीका प्रभावशाली रहेगी, जिससे विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक : आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहेगा और आपको धन लाभ के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और समाज में भी मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु : कार्यस्थल पर किसी जुनियर के चलते तनाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। आर्थिक मामलों में भी सावधान रहने की जरूरत है।

मकर : व्यापार के मामले में दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के अवसर मिल सकते हैं। इससे मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत होगी।

कुम्भ : आर्थिक मामलों में आपको बजट बनाकर धन खर्च करना होगा, अन्यथा पैसों की तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है। खर्चों में भी वृद्धि होगी।

मीन : कामकाज के सिलसिले में आपको किसी दूर या पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह फलदायक भी साबित हो सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

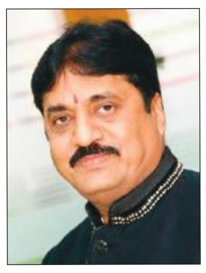

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर-संघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है- सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ

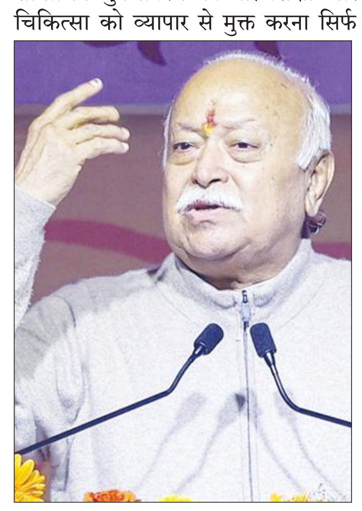

भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा सेवा और संस्कार के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे।

सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

प्रकृति से खिलवाड़ की चेतावनी

प्रमोद भार्गव

भारतीय दर्शन के अनुसार मानव सभ्यता का विकास हिमालय और उसकी नदी-घाटियों से माना जाता है। ऋषि-कश्यप और उनकी दिति- अदिति नाम की पत्नियों से मनुष्य की उत्पत्ति हुई और सभ्यता के क्रम की शुरूआत हुई। एक बड़ी आबादी को षुद्ध और पौष्टिक पानी देने के लिए भागीरथी गंगा को नीचे उतार लाए। यह विकास धीमा था और विकास को आगे बढ़ाने के लिए हिमालय में कोई हलचल नहीं की गई थी। लेकिन आज विकास के बहाने भोग की जल्दबाजी में समूचे हिमालय को दरकाने का सिलसिला अत्यंत तेज गति से चल रहा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली समेत तीन स्थानों पर आई प्राकृतिक आपदाओं ने सत्ताधारियों को चेतावनी दी है कि प्रकृति से खिलवाड़ कतई उचित नहीं है। यदि खिलवाड़ जारी रहा तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। धराली और हर्शिल में फूटे प्रलय के प्रकोप ने जो दृश्य दिखाए हैं, वे भयावह हैं। एक बार फिर सबसे पवित्र चार धाम यात्रा से जुड़े इस मार्ग पर केदारनाथ आपदा की कहानी प्रकृति ने दोहराई है। केदारनाथ की तरह यहां भी देशभर से यात्रा में आए अनेक श्रद्धालुओं को इस त्रासदी ने लील लिया है।

दरअसल वर्तमान में समूचा हिमालयी क्षेत्र आधुनिक विकास और जलवायु परिवर्तन के खतरों से दो-चार हो रहा है। मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले उपग्रह चाहे जितने आधुनिक तकनीक से जुड़े हों, वे अनियमित हो चुके मौसम के चलते बादलों के फटने, हिमखंडो के टूटने और भारी बारिश होने की क्षेत्रवार जानकारी देने में आसमर्थ ही रहे हैं। इसीलिए 2013 में केदारनाथ प्रलय, 2014 में दुनिया का स्वर्ग माने जाने वाले जम्मू-कश्मीर राज्य की नदियों की बाढ़ से नरक में बदल जाने के संकेत नहीं मिल पाए थे। वर्शा की तीव्रता ऐसी मुसीबत बनी थी कि देखते-देखते स्वर्ग की धरती पर इठलाती-बलखाती नदियां झेलम, चिनाब और तवी ने अपनी प्रकृति बदलकर रौद्र रूप धारण कर लिया था। राज्य का जर्रा-जर्रा विनाश की कुरूपता में तब्दील हो गया था। अलगाववाद का प्रपंच अलापने में लगी राज्य सरकार का तंत्र पंगु हो गया था। तब सेना की मदद से इस भीषण त्रासदी से पार पाना संभव हो पाया था। इसी तरह 2021 में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के निकट हिमखंड के टूटने से तबाही मची थी। इससे धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आई और तपोवन विश्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम कर रहे अनेक मजदूर काल के गाल में समा गए थे। हिमाचल प्रदेश में भी भू-स्खलन, बादल फटने और भारी बारिश से तबाही देखने में आ रही है। लेकिन मौसम तकनीक सटीक जानकारी नहीं दे पा रही है।

मौसम विज्ञानी जता रहे हैं कि मानसून में लंबी बाधा के चलते देश के कई हिस्सों में सूखे के हालात निर्मित हो गए है और हिमाचल व उत्तराखंड में भीशण बारिश ने तबाही का तांडव रच दिया है। मानसून में रुकावट आ जाने से बादल पहाड़ों पर इकट्ठे हो जाते है और यही मूसलाधार बारिश के कारण बनते हैं। यह तबाही इसी का परिणाम है। तबाही के कारण मानसून पर डालकर जवाबदेही से नहीं बच सकते। केदारनाथ में बिना मानसून के रुकावट के ही तबाही आ गई थी। अतएव यह कहना बेमानी है कि मानसून की रुकावट तबाही में बदली? हकीकत में तबाही के असली कारण समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की जो बाढ़ आई हुई है, वह है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए भी जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखरों पर स्थित पहाड़ दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपनी ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने

संदर्भ : उत्तराखंड में बादल फटने से हुई ताबाही

वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुश्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। इस सूक्त में राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को विकसित, पोशित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश की हैं। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। आपदा प्रभावित धराली और हर्शिल क्षेत्र में बहने वाली भागीरथी नदी पर बनी 1300 मीटर लंबी और 80 मी. चौड़ी झील से पानी का रिसाव हो रहा है, इसे पोकलैंड मशीनों से तोड़ने की तैयारी है। जिसे रिसाव की थोड़ा प्रवाह बढ़ जाए और झील का जलस्तर घट जाए। यदि इस झील के बीच कोई बड़ा बोल्डर है, तो इसे नियंत्रित विस्फोटक से तोड़ा जाएगा। पहाड़ों में अतिवृश्टि के चलते इस नदि पर यह झील अस्तित्व में आ गई है। हिमालय में झील, तालाब और हिमनदों का बनना एक आश्चर्यजनक किंतु स्वाभाविक प्रक्रिया है। चूंकि यह झील हर्शिल और धराली के लिए संकट बन गई है, इसे तोड़ा जाना जरूरी हो गया है। यदि यह प्राकृतिक प्रकोप के चलते टूटती है तो धराली एवं हर्शिल को ओर खतरा बढ़ जाएगा। देहरादून सिंचाई विभाग के प्रमुख इंजीनियर सुभाश पांडे के नेतृत्व में अभियंताओं का एक 12 सदस्यीय दल हेलिकॉप्टर से झील के निरीक्षण में लगा है। झील के प्रवाह में यदि कोई चट्टान बाधा है तो उसे रिमोट से नियंत्रित विस्फोटक से तोड़ा जाएगा। इस विधि से वही हिस्सा टूटता है, जितना तोड़ना जरूरी होता है।

हालांकि अभी तक यह निश्चित अनुमान नहीं लगाया जा सका है कि इस जल प्रलय का वास्तविक कारण क्या है ? भू-विज्ञानी असमंजस में हैं। सच्चाई जानने के लिए वे अब रिमोट सेंसिग डाटा एवं सेटेलाइट डाटा की प्रतीक्षा में है। इससे स्थिति स्पश्ट होगी की खीर गंगा नदी में आया सैलाब बादल फटने, हिमनद टूटने, भू-स्खलन से आया या फिर किसी अन्य कारण से आया। इस सिलसिले में सीबीआरआई रुढ़की के मुख्य भू-विज्ञानी डॉ डीपी कानूनगो का कहना है कि नदी में अचानक इतना सैलाब किस कारण से आया यह कहना फिलहाल संभव नहीं है। भू-विज्ञानी प्राध्यापक एसपी प्रधान इस आपदा को प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों ही कारण मान रहे हैं। इन विरोधाभासी अनुमानों से साफ है कि आई आपदा के बारे में कारण संबंधी दृष्टिकोण स्पष्ट नहीं है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर विकास करना आवश्यक होना चाहिए। लेकिन कथित विकास की चकाचौंध में राज्य सरकारें कोई संतुलित नीति बना भी लेती हैं तो उसके क्रियान्वयन में ईमानदारी नहीं बरतती हैं। यही वजह है पूरे हिमालय क्षेत्र में अंधाधुंध विकास की परियोजनाएं हिमालय की आंतरिक सुगठित संरचना को नश्ट कर रही हैं।

इस आपदा ने यह जरूर जता दिया है कि उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों के खतरे बढ़ रहे है। राज्य में करीब 1266 ऐसी झीलें हैं। नेशलन डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने उत्तराखंड में 13 हिमनदों को खतरनाक श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है। इनमें से पांच को उच्च संकट की श्रेणी में रखा है। हालांकि यह मुद्दा कोई नया नहीं है। 2013 में केदारनाथ जल प्रलय के बाद यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया था। क्योंकि चौड़ाबाड़ी ग्लेशियर झील के फटने से केदारनाथ में भीशण तबाही आई थी। इसके बाद से ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हिमनदों की निगरानी और इनसे बचाव के लिए अध्ययन करने की दिशा में पहल की गई थी। लेकिन अध्ययन के क्या निश्कर्श निकलें और उनके अनुरूप समस्या से निपटने के क्या उपाय किए गए इस दिशा में कोई पारदर्शी जानकारी नहीं है। चामौली में वसुधारा ताल और पिथौरागढ़ की झीलों के अध्ययन की भी तैयारी की जा रही है। लेकिन इन अध्ययनों के कोई कारगार परिणाम निकलेंगे यह कहना मुश्किल है।

उत्तराखंड भूकंप के सबसे खतरनाक जोन-5 में आता है। कम तीव्रता के भूकंप यहां निरंतर आते रहते हैं। मानसून में हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में भू-स्खलन बादल फटने और बिजली गिरने की घटनाएं निरंतर सामने आ रही हैं। पहाड़ों के दरकने के साथ छोटे-छोटे भूकंप भी देखने में आ रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में बीते सात साल में 130 बार से ज्यादा छोटे भूकंप आए हैं। हिमाचल और उत्तराखंड में जल विद्युत और रेल परियोजनाओं ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। टिहरी पर बंधे बांध को रोकने के लिए तो लंबा अभियान चला था। पर्यावरणविद और भू-वैज्ञानिक भी हिदायतें देते रहे हैं कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरल धारा बाधित हुई तो गंगा तो अस्तित्व खोएगी ही, हिमालय की अन्य नदियां और झीलें भी अस्तित्व के संकट से जूझेंगी।

-लेखक/पत्रकार

वर्ग पहेली नं. 3176

1	■	2		3	■	4	■	5	6
	■		■	7			8	■	
9	10		■		■	11		12	
13		■	14			■	15		■
■	16	17		■	■	18	■	19	
20				■	21		22		■
	■	■	23			■		■	24
25		26	■	■	27				
	■	28				■		■	

बायें से दायें:- 2) तिथि, 5) जेब, 7) चौतरा, 9) नमूना, 11) फ़ौज; छावनी, 13) दाना; कण, 14) मौत को धोखा देना, 15) सीलन, 16) गंभीर; अमिट; गहराईयुक्त, 19) बाज़ी, 20) स्वार्थ; अर्थ, 21) बेक़द्री; मानभंग, 23) मुग्ध होना; प्रेम करना, 25) कपड़े का बना डेरा, 27) यात्रावृत्तांत, 28) बंदूक में रखकर चलाई जानेवाला धातु.

ऊपर से नीचे:- 1) घड़ी घड़ी, 2) हँसी-मज़ाक, 3) हुजूम; जनाकीर्णता; भीड़भाड़, 4) शीशी, 6) आदरपूर्वक, 8) खाने-पीने का सामान, 10) अप्रशिक्षित; नौसिखिया, 12) छूट; दलाली, 14) जयपराजयहीनता, 17) उत्तर; समाधान, 18) एक लंबा सरीसृप, 20) भारत का एक घटक राज्य, 21) संयोगवश, 22) सहानुभूति, 24) फ़िल्टर करना, 26) सगाई; तिलक.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

दि	ठौ	ना	■	■	पा	रि	तो	षि	क
गं	■	च	ह	क	ना	■	ड़	■	स
ब	क	ना	■	स	■	ब	ना	ठ	ना
र	मा	■	अ	र	विं	द	■	स	■
■	ल	च	र	■	■	ल	ट	क	ना
अ	■	■	मा	शू	का	ना	■	■	का
प	रे	शा	न	■	बु	■	क	र्द	म
रा	ह	■	■	बा	ल	बा	ल	■	या
ध	न	कु	बे	र	■	■	श	रा	बी

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3133

4		8				7		
			5					
			4					2
3		6			9	5	7	
				7			1	
7					2			
	9			2	3			
							4	8
		1						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3132 का उत्तर

8	1	9	6	4	2	7	5	3
3	4	2	5	9	7	6	1	8
6	7	5	8	1	3	4	2	9
7	2	4	1	8	6	3	9	5
5	9	8	7	3	4	2	6	1
1	6	3	9	2	5	8	7	4
2	8	7	3	5	9	1	4	6
4	5	1	2	6	8	9	3	7
9	3	6	4	7	1	5	8	2

एसआईआर तभी स्वीकार्य जब वर्तमान लोकसभा भंग हो : अभिषेक

कहा... 'तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ भी आपराधिक कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए'

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि अगर निर्वाचन आयोग कहता है कि मतदाता सूची में विसंगतियां हैं, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल को इस्तीफा दे देना चाहिए तथा लोकसभा को भंग कर दिया जाना चाहिए। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि निर्वाचन आयोग चुनिंदा तौर पर यह नहीं कह सकता कि गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में मतदाता सूची ठीक है, लेकिन पश्चिम बंगाल, बिहार या तमिलनाडु में यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर मतदाता सूचियों का एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) किया जाता

है, तो यह पूरे देश में किया जाना चाहिए। इसके लिए पहला कदम प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल का इस्तीफा होना चाहिए तथा लोकसभा को भंग किया जाना चाहिए। तृणमूल नेता ने दावा किया कि अगर मौजूदा सरकार उसी मतदाता सूची के आधार पर चुनी गई है, तो केंद्र सरकार की वैधता अमान्य है। इस दिन, दिल्ली रवाना होने से पहले नेत–ाजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अभिषेक ने संवाददाताओं से कहा कि अगर मैं निर्वाचन आयोग के इस दावे को स्वीकार कर भी लूं कि मतदाता सूची में अनियमितताएं हैं, तो इसी सूची का इस्तेमाल 2024 के लोकसभा चुनावों में किया गया था, जिसके आधार पर वर्तमान प्रधानमंत्री और सरकार चुनी गई थी। अगर अब अनियमितताएं हैं, तो पूरे केंद्रीय मंत्रालय को इस्तीफा दे देना चाहिए। अभिषेक ने कहा कि तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के खिलाफ भी 'आपराधिक कार्यवाही' शुरू की जानी चाहिए, जिनकी निगरानी में 2024 के लोकसभा चुनाव हुए थे। अभिषेक ने आरोप लगाया कि भाजपा के 240 से अधिक सांसद उसी तथाकथित 'अनियमित' सूची के आधार पर चुने गए और इस तर्क के अनुसार, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और सभी केंद्रीय मंत्रियों को भी इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा के विधानसभा चुनाव भी इसी सूची के आधार पर हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा को शुरुआत करने दीजिए, हम सब इस्तीफ़ा दे देंगे। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस, द्रविड मुनेत्र कषगम, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दल भी इस्तीफ़ा दे देंगे। लोकसभा भंग होने दीजिए। देश भर में एसआईआर का संचालन कीजिए। फिर नए चुनाव कराइए। अभिषेक ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बिहार में एसआईआर इसलिए करवाया है, क्योंकि उसे पता है कि अगर लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, तो वे इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में हार जाएंगे। अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर विपक्षी सांसदों के शांतिपूर्ण मार्च पर अनावश्यक बल प्रयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि हमारे कुछ सरल सवाल थे, एसआईआर की जरूरत क्यों? इतने वर्षों बाद भी डिजिटल वोटर लिस्ट क्यों नहीं? लेकिन चुनाव आयोग के अधिकारी इन सवालों के जवाब देने को तैयार नहीं थे, इसलिए हमें अंदर नहीं जाने दिया गया।

कोलकाता में पेयजल संकट का समाधान! मेयर का बड़ा ऐलान

कोलकाता : नए साल की शुरुआत में ही कोलकाता में पेयजल संकट दूर होने की उम्मीद है। मेयर फिरहाद हाकिम ने मंगलवार को जानकारी दी कि जनवरी के मध्य तक धापा जल परियोजना में प्रतिदिन 20 मिलियन गैलन अतिरिक्त पेयजल शोधन की सुविधा तैयार हो जाएगी।

वर्तमान में इस परियोजना में प्रतिदिन 30 मिलियन गैलन पानी शुद्ध किया जाता है। अतिरिक्त 20 मिलियन गैलन पानी से तपसिया से बाइपास के किनारे स्थित क्षेत्रों के साथ–साथ जादवपुर और टालिगंज के कुछ हिस्सों के निवासी लाभान्वित होंगे।

मेयर ने बताया कि गड़िया ढालाई ब्रिज के पास एक और जल परियोजना बनाई जा रही है, जिससे प्रतिदिन 10 मिलियन गैलन अतिरिक्त पानी का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होते ही कोलकाता में पेयजल की समस्या खत्म हो जाएगी और डीप ट्यूबवेल की आवश्यकता भी कम हो जाएगी।

धापा जल परियोजना की प्रगति का निरीक्षण करने पहुंचे मेयर ने बताया कि पहले जहां कार्य की गति धीमी थी, अब इसमें काफी तेजी आ गई है।

Name Change

I Adrija Maitra Alias Adrija Vijay Alias Adrija S D/o Swapan Maitra And W/o Suvra Vijay R/o 4875, Netaji Subhas Road, Apanpalli 1st Lane Sign Board, Apanpalli 1st Lane, Barasat - I, Hridaypur, North 24 Parganas, West Bengal - 700127, have changed my name to Adrija.

चुनाव से पहले बड़ा ऐलान: बंगाल में 12 राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द

कोलकाता : विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए पश्चिम बंगाल के 12 राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द कर दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये दल पिछले छह वर्षों से किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं ले रहे थे, जिसके कारण राजनीतिक परिदृश्य में इनका कोई अस्तित्व नहीं बचा है। इस निर्णय के बाद अब ये दल न तो चुनाव लड़ पाएंगे और न ही किसी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकेंगे। आयोग का यह कदम राज्य की राजनीति में अहम बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि इससे आगामी चुनावी समीकरणों पर भी असर पड़ सकता है।

आर.जी. कर मामले की सुनवाई टली, पीड़िता के परिवार ने हलफनामा दाखिल करने की अनुमति मांगी

कोलकाता : आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज मामले में सीबीआई जांच पर अविश्वास जताने वाली पीड़िता के परिवार की याचिका पर मंगलवार को कोलकाता हाईकोर्ट में सुनवाई एक बार फिर टल गई। पीड़िता के परिवार के वकील ने राज्य सरकार के हलफनामे के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने की अनुमति मांगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त तय की है। पीड़िता का परिवार सीबीआई की चार्जशीट से संतुष्ट नहीं है और अधिक गहन जांच की मांग कर रहा है। उन्होंने इस मामले में हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। इस बीच, राज्य सरकार ने अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है और अब पीड़िता के परिवार को 19 अगस्त तक जवाबी हलफनामा दाखिल करना होगा। उसके बाद ही अगली सुनवाई होगी।

पुलिस परिवार के सदस्यों ने शुभेंदु अधिकारी पर साधा निशाना

अनुब्रत मंडल के मामले पर सवाल पूछने पर सदस्यों ने खोया आपा

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कथित तौर पर 'नवान्न अभियान' कार्यक्रम के समापन पर पार्क स्ट्रीट पर खड़े होकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा पर एक 'विवादित टिप्पणी' की। ऐसे में मंगलवार को कोलकाता प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में इस टिप्पणी की 'पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस आवासीय समिति' के द्वारा आलोचना की गई। संवाददाता सम्मेलन में उक्त समिति की ओर से पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस के सेवारत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की पत्नियां शामिल हुईं। शुभेंदु की टिप्पणी की निंदा के बाद, बीरभूम जिले के पूर्व तृणमूल अध्यक्ष अनुब्रत मंडल को लेकर सवाल उठे। सवाल यह उठा कि क्या पुलिस पत्नियां बोलपुर थाने के आईसी लिटन हलदर और उनकी मां व पत्नी के प्रति अनुब्रत के अशोभनिय शब्दों का समर्थन करती हैं? संगठन की सदस्य सलमा सुल्ताना ने कहा कि तब भी हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुब्रत मंडल की टिप्पणियों की निंदा की थी। हमने कसबा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसके जवाब में, एक उल्टा सवाल उठा कि जब अनुब्रत ने बोलपुर थाने के आईसी से अशोभनीय बातें की, तो शिकायत कोलकाता पुलिस के अधीन कसबा थाने में क्यों दर्ज कराई गई? इस सवाल का संगठन की सदस्य सलमा सुल्ताना स्पष्ट जवाब नहीं दे सकीं। उस समय एक के बाद एक सवालों के जवाब में संगठन की महिलाएं अपना आपा खो बैठीं और अंत में प्रेस कॉन्फ्रेंस को आनन फानन में समाप्त कर दिया गया। हालांकि, एक लिखित बयान में उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य के विपक्षी नेता के नेतृत्व में जुलूस में पुलिस कर्मियों पर हमला किया गया, उसकी वे निंदा करती हैं। खासकर, कांस्टेबल प्रशांत पोद्दार के सिर पर वार कर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई। वे इस घटना को अंजाम देने वाले सभी लोगों को कड़ी सजा चाहती हैं। उनका आरोप है कि विपक्षी नेता अदालत के संरक्षण में लगातार ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस का खाका भवानी भवन में तैयार हुआ : शुभेंदु अधिकारी

इधर, पुलिस परिवारों के आरोपों और प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने हुगली के पांडवेश्वर में कन्या सुरक्षा यात्रा में हिस्सा लेते हुए सभी आरोपों का जवाब दिया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस का खाका भवानी भवन में तैयार किया गया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के प्रमुख पश्चिम बंगाल पुलिस कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शांतनु सिंह बिस्वास थे। कालीघाट थाने के इस पूर्व ओसी ने खुद को मुख्यमंत्री के परिवार का सदस्य बताया। सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस हर चीज के पीछे है। मेरे पास इसका सबूत है। हमें सब पता है कि कहां से और क्या किया गया है। हम समय आने पर सब कुछ उजागर करेंगे।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत कोन्नगर एवं बैद्यवाटी स्टेशनों में 3 वर्षों की अवधि के लिए सामान्य पे एंड यूज शौचालय के संचालन एवं रखरखाव के लिए नई संविदा की सुपुर्दगी हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। यह ई-नीलामी रेलवे बोर्ड की फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर सं. 11 ऑफ 2022 तथा कमर्शियल सर्कुलर सं. 14 ऑफ 2022 के अनुसार संचालित की गई है। और अधिक विवरण तथा ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-नीलामी प्रारूप देखें। नीलामी सूचीपत्र सं.: पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-25-8-25; लॉट नं./क्रमांक: (1) पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-केओजी-टीओआई-22-25-1; स्टेशन: कोन्नगर। (2) पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-[illegible]-टीओआई-34-25-1; स्टेशन: बैद्यवाटी। नीलामी की तारीख एवं समय: 25.08.2025 को 13.30 बजे। (HWH-241/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, तीसरी मंजिल, न्यू कॉम्पलेक्स बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा 3 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में पार्किंग लॉटों के संचालन हेतु अनुबंध की सुपुर्दगी के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। अधिक विवरण एवं ई-नीलामी में भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-नीलामी लीजिंग प्रारूप देखें। नीलामी सूचीपत्र सं.: पीएआरके-एचडब्ल्यूएच-एयूजी-4, क्रमांक, लॉट नं. एवं स्टेशन के नाम क्रमशः निम्नलिखित हैं: (1) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एसआईयू-टीडब्ल्यू-280-25-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); सिंगूर। (2) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-टीकेपीएच-टीडब्ल्यू-177-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); टाकीपुर हॉल्ट। (3) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एसएचबीसी-टीडब्ल्यू-120-22-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); शिबाईचंडी। (4) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-डीबीपी-टीडब्ल्यू-281-25-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); देबीपुर। नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय: 22.08.2025 को 14.00 बजे। (HWH-239/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसआईआर के मुद्दे पर राजभवन के सामने किया प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मंगलवार को राजभवन के बाहर प्रदर्शन किया और भाजपा पर इस प्रक्रिया के जरिए चुनावों में 'धांधली' करने का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शुभंकर सरकार के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला लेकिन उन्हें राज्यपाल के आधिकारिक निवास के बाहर रोक दिया गया, जिसके बाद हंगामा हुआ। पुलिस सरकार सहित प्रदर्शनकारियों को वैन में बैठाकर किसी अन्य स्थान पर ले गई। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सच्चाई उजागर की है कि भाजपा ने पिछले चुनावों में 'जीत हासिल करने के लिए चुनावी प्रक्रिया में' कैसे कथित तौर पर 'धांधली' की थी।

मतदाता सूची से नाम कटने का डर, हाई कोर्ट के बाहर 3 महिलाओं ने आत्मदाह की कोशिश

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में चल रही मतदाता सूची की विशेष जांच से डरी तीन महिलाओं ने कलकत्ता हाई कोर्ट के बाहर खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। यह घटना मंगलवार की दोपहर की है। हालांकि, कोर्ट के बाहर तैनात पुलिस की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों महिलाओं को बचा लिया और उन्हें अस्प–ताल पहुंचाया। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि महिलाओं को यह डर था कि मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया जाएगा। इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस ने इन महिलाओं की पहचान पूर्णिमा

हलदर, सुतिष्णा सापुई और बंदना नशकर के रूप में की है। ये तीनों दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर इलाके की रहने वाली हैं। बताया गया है कि तीनों महिलाएं मंगलवार को हाई कोर्ट पहुंची थीं। पूर्णिमा बाकी दो महिलाओं की मदद से खुद पर केरोसिन का तेल डाल रही थीं। तभी, कोर्ट में तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें देख लिया और तुरंत उन्हें रोक लिया। पुलिस ने तीनों महिलाओं को तुरंत दक्षिण कोलकाता के सरकारी अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए भेजा। अब पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है कि उन्होंने ऐसा खतरनाक कदम क्यों उठाया। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि 'एसआईआर' के बाद उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा। इसी डर से उन्होंने यह कोशिश की। हालांकि, पुलिस को महिलाओं की इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल में अभी तक एसआईआर का काम शुरू ही नहीं हुआ है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई)

विशेष ऑप्थेल्मोलॉजी जाँच के लिए टाई–अप

सं. एमईडी/एसपीएल.ऑप्थेल्मो–इन्वेस टाई-अप/बीआरएसएच/2025/ईओआई दिनांक 11.08.2025

कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों के इच्छुक सरकारी/निजी ऑप्थेल्मिक डायग्नोस्टिक सेंटरों/अस्पतालों से वास्तविक बिल भुगतान प्रणाली के आधार पर एमओयू (समझौता ज्ञापन) के माध्यम से सीजीएचएस की दर पर बी.आर. सिंह अस्पताल, पूर्व रेलवे, सियालदह के रेलवे लाभार्थियों के लिए विशेष ऑप्थेल्मोलॉजी जाँच, जो बी.आर. सिंह अस्पताल, पूर्व रेलवे, सियालदह में नहीं की जाती है, के लिए दो (2) वर्ष हेतु टाई÷अप करने के लिए इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है। सियालदह मंडल के चिकित्सा विभाग के तहत पूर्व रेलवे की वेबसाइट पर ईओआई दिनांक **11.08.2025** को अपलोड किया गया है। इच्छुक निजी/सरकारी डायग्नोस्टिक सेंटर/अस्पताल पूर्व रेलवे की वेबसाइट में उपलब्ध कराए गए नियमों और शर्तों के साथ कार्य की सूची के अनुसार उक्त टाई–अप में भाग ले सकते हैं। पूर्व रेलवे की वेबसाइट में अधिसूचना का लिंक नीचे दिया गया है: **https://er.indianrailways.gov.in/cris//webadmin/section/section_edit.jsp?path=0,6,442,462,467,2223&id= 2223&msg=Section%20Updated%20Successfully**

चीफ स्पेशलिस्ट–I (एलए), बी.आर.सिंह अस्पताल, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आधुनिक रेल डिब्बा कारख़ाना, रायबरेली

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 33/ईटी/2025-26 दिनांकः 11.08.2025

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	11251185	सेट आफ साइड वाल कम्पलीट फॉर जीएस कोच (ईओजी)	71 नग	09.09.2025

शुद्धि पत्र

01	28/ईटी/2025-26 दिनांकः 26.07.2025	टेन्डर नं. 12251214	निविदा खुलने की तिथि 14.08.2025 के स्थान पर तिथि 29.08.2025 पढ़े
02	24/ईटी/2025-26 दिनांकः 11.07.2025	टेन्डर नं. 12251059	निविदा खुलने की तिथि 12.08.2025 के स्थान पर तिथि 22.08.2025 पढ़े
03	19/ईटी/2025-26 दिनांकः 26.06.2025	टेन्डर नं. 05251075	निविदा खुलने की तिथि 13.08.2025 के स्थान पर तिथि 20.08.2025 पढ़े
04	24/ईटी/2025-26 दिनांकः 11.07.2025	टेन्डर नं. 03251606	निविदा खुलने की तिथि 08.08.2025 के स्थान पर तिथि 19.08.2025 पढ़े
05	32/ईटी/2025-26 दिनांकः 06.08.2025	टेन्डर नं. 11251107	निविदा खुलने की तिथि 12.08.2025 के स्थान पर तिथि 18.08.2025 पढ़े
06	32/ईटी/2025-26 दिनांकः 06.08.2025	टेन्डर नं. 11251106	निविदा खुलने की तिथि 12.08.2025 के स्थान पर तिथि 18.08.2025 पढ़े

Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in

शुद्धि पत्र संख्या-1, दिनांक 12.08.2025

शुद्धि पत्र	टेंडर नं. AMC-RRV-Zagro-25-26-163	निविदा खुलने की तिथि 12.08.2025 के स्थान पर 21.08.2025 पढ़ा जाये।

Website: www.ireps.gov.in — कार्य प्रबन्धक/एम. एण्ड पी.

शुद्धि पत्र

कार्य का नाम- आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री रायबरेली में रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट का प्रावधान।
ई-निविदा संख्या- ELECT-PR-04TI

	मौजूदा	संशोधित
निविदा बंद करने की तिथि	11.08.2025 (15.30 बजे)	20.08.2025 (15.30 बजे)

उप मुख्य विद्युत अभियंता/पीएस एवं प्रोजेक्ट

नबन्ना अभियान में पुलिस पर हमला,

सजल घोष–अशोक डिंडा समेत छह को लालबाजार से नोटिस

कोलकाता : नबन्ना अभियान के दौरान जुलूस से पुलिस पर हमला करने का आरोप लगा है। कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस घटना की जानकारी दी और बताया कि भाजपा नेताओं सजल घोष, तमोघ्न घोष, विधायक अशोक डिंडा, भोला सोनकर, कुशल पांडे और कमलजीत सिंह को नोटिस भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, उस दिन की घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

आर.जी. कर कांड की बरसी पर नबन्ना अभियान का आह्वान किया गया था। पुलिस का कहना है कि जुलूस के कई स्थानों से पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ, जिसके जवाब में पुलिस को प्रतिरोध करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी, जॉइंट कमिश्नर हेडक्वार्टर मिराज खालिद और इंटेलिजेंस प्रमुख रूपेश कुमार ने घटना के वीडियो और फुटेज भी दिखाए।

पुलिस ने बताया कि नबन्ना अभियान के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी और सोशल मीडिया के जरिए ही उन्हें इस रैली की जानकारी मिली थी। हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार, पुलिस ने जुलूस के लिए कुछ निर्धारित मार्ग तय किए थे, लेकिन डोरिना क्रॉसिंग के पास जुलूस ने दिशा बदल दी और चौरंगी की ओर बढ़ गया, जहां करीब 500 लोग जमा हो गए। पुलिस ने रास्ता रोका तो उन पर हमला किया गया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हुए और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। इस घटना को लेकर छह भाजपा नेताओं को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

'नवान्न अभियान में पीड़िता की मां से मारपीट नहीं'

आरजी कर पीड़िता की मां पर नवान्न अभियान के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। यह जानकारी मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कोलकाता के जॉइंट सीपी (मुख्यालय) मीराज खालिद ने दी। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास घटना के कई वीडियो हैं, लेकिन अब तक किसी भी फुटेज में पीड़िता की मां को सड़क पर गिराकर मारपीट करने की बात साबित नहीं हुई है। इस दिन, पुलिस आयुक्त ने बताया कि न्यू मार्केट थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है और कानून के अनुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मीराज खालिद ने भी यही जानकारी दी और कहा कि अगर किसी के पास घटना से संबंधित वीडियो या तस्वीर है, तो उसे पुलिस को सौंपे।

'नवान्न मार्च के दौरान पत्नी पर पुलिस का हमला पूर्व नियोजित था'

❑ **आरजी कर पीड़िता के पिता ने ईमेल से की शिकायत**

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर पीड़िता के पिता ने नवान्न अभियान के दौरान अपनी पत्नी पर पुलिस द्वारा हमला करने का गंभीर आरोप लगाते हुए शेक्सपियर सरणी थाने में ईमेल के माध्यम से लिखित शिकायत दर्ज कराई है। लेकिन, थाने ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया। इसके बाद उन्होंने न्यू मार्केट थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया है कि ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ निकाले गए इस विरोध मार्च के दौरान एक पुलिस कर्मी ने उनकी पत्नी के सिर और पीठ पर लाठी से वार किया, जिससे वह घायल हो गईं और उनके हाथ का शंख भी टूट गया। मंगलवार को एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीड़िता के पिता के ईमेल के आधार पर जांच शुरू की गई है। पीड़िता के पिता का कहना है कि यह हमला पूर्वनियोजित और उद्देश्यपूर्ण था, जिसका मकसद उनकी पत्नी को गंभीर रूप से घायल करना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस हमले से उनकी पत्नी की जान भी जा सकती थी। घटना के बाद उन्हें ईएम बाइपास के पास एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घर लौटने के बाद भी वह 'सिर की चोट' (हेड ट्रॉमा) से पीड़ित हैं। पिता ने अपनी ईमेल शिकायत के आधार पर पुलिस से एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करने की मांग की है। हालांकि, ईमेल शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी या नहीं, इस पर पुलिस की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है।

बंगाल की खाड़ी पर निम्न दबाव बनने से उत्तर बंगाल में भारी बारिश के आसार

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल की खाड़ी के ऊपर बुधवार को निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है जिसके कारण 15 अगस्त तक राज्य के उत्तरी जिलों में मूसलाधार बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि अगले दो दिनों में निम्न दबाव प्रणाली और अधिक प्रभावी होने की संभावना है। विभाग ने बताया कि 16 अगस्त तक दक्षिण बंगाल के कई जिलों में गरज के साथ छींटे पड़ने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 15 अगस्त तक उप-हिमालयी जिलों अलीप–ुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई है। इसमें कहा गया कि निम्न दबाव के क्षेत्र में मानसून की सक्रियता और हवा में उच्च नमी के सामूहिक प्रभाव के कारण उत्तर बंगाल के जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

कोलकाता में डेंगू से वृद्ध की मौत, मच्छर नियंत्रण में जुटा निगम

कोलकाता : लगातार बारिश के बीच कोलकाता में डेंगू से एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक का नाम स्वरूप मुखोपाध्याय (75) है, जो कोलकाता नगर निगम के वार्ड संख्या 69, सनी पार्क के निवासी थे। कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित स्वरूप मुखोपाध्याय को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

6 अगस्त को डेंगू के लक्षण मिलने पर उनकी जांच कराई गई, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। उस समय उनके प्लेटलेट्स 35 हजार थे, जो तेजी से घटकर 12 हजार तक पहुंच गए। हालत गंभीर होने पर अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई।

नगर निगम के अनुसार, 7 अगस्त को उनके डेंगू से संक्रमित होने की जानकारी मिली। मृतक के घर के पास एक निर्माणाधीन इमारत में बारिश का पानी जमा था, जहां एडिस मच्छर के लार्वा पाए गए। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। निगम की ओर से मच्छर नियंत्रण और सफाई के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, साथ ही स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कुणाल घोष ने आरजी कर पीड़िता के पिता को भेजा कानूनी नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरजी कर पीड़िता के पिता को कानूनी नोटिस भेजा है। यह नोटिस उस आरोप के जवाब में भेजा गया है, जिसमें पीड़िता के पिता ने दावा किया था कि कुणाल घोष ने सीबीआई को पैसे देकर मामले को रफा–दफा करवा लिया। मंगलवार को कुणाल घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पीड़िता के पिता के प्रति मेरी सहानुभूति है और मैं उनका सम्मान करता हूं, लेकिन इसके बावजूद मैंने उन्हें अपने वकील का नोटिस भेज दिया है। उम्मीद है कि उन्हें कल या परसों तक यह मिल जाएगा। तृणमूल प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने मीडिया से कहा कि सीबीआई ने राज्य सरकार से पैसा लेकर जांच में गड़बड़ी की है। कुणाल घोष ने सीजीओ कॉम्प्लेक्स में मामले को रफा–दफा करा दिया। मैं उन्हें दूसरों के उकसावे में आकर कुछ भी कहने की इजाज़त नहीं दे सकता। या तो उन्हें अपनी कही बात के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए, या फिर अदालत में आकर अपनी बात साबित करनी चाहिए। तृणमूल नेता ने कहा कि नोटिस मिलने के बाद माता–पिता को कदम उठाने के लिए चार दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद मुकदमा दायर किया जाएगा। उन्होंने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि सीबीआई के समक्ष मेरे खुद के दो मामले दर्ज हैं, जिसे मैं लड़ रहा हूं और आपको लगता है कि मैं एजेंसी के साथ आरजी कर मामले को रफा–दफा करने जाऊंगा? और क्या सीबीआई मेरी बात सुनेगी? सब जानते हैं कि सीबीआई पर भाजपा का नियंत्रण है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बंगाल भाजपा के नेताओं के प्रदर्शन का होगा मूल्यांकन

- हेराफेरी रोकने के लिए भाजपा ने 'सरल' ऐप किया लॉन्च
- सुनील बंसल करेंगे मूल्यांकन, समग्र मूल्यांकन के आधार पर नेताओं को दिए जाएंगे ग्रेड

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा के सभी नेताओं के सभी प्रकार के कार्यों व प्रदर्शन का केंद्रीय नेतृत्व द्वारा समग्र मूल्यांकन किया जाएगा। कोलकाता में आयोजित पार्टी की बूथ सशक्तीकरण कार्यशाला में बंगाल भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि समग्र मूल्यांकन के आधार पर सभी नेताओं को ग्रेड दिए जाएंगे। हालांकि, ग्रेड सिस्टम की बात अभी बूथ स्तर की चर्चा में आई है। नेताओं के कार्यों का मूल्यांकन केंद्रीय पर्यवेक्षक करेंगे। बंसल ने कार्यशाला में स्पष्ट किया कि राज्य में पार्टी के प्रभावशाली नेता भी इससे अछूते नहीं हैं। सभी के कार्यों का मूल्यांकन व ग्रेड निर्धारण किया जाएगा। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने केंद्रीय पर्यवेक्षक के समक्ष दावा किया कि राज्य के 81,000 बूथों में से 65,000 बूथों पर समितियां बन चुकी हैं। इनमें से 50,000 बूथ समितियों का सत्यापन कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन 15,000 बूथ समितियों का सत्यापन अभी बाकी है।

पार्टी नेताओं ने बताया कि मुस्लिम बहुल बूथों पर समितियां बनाने का काम चल रहा है। इन क्षेत्रों में पार्टी की सांगठनिक ताकत कमजोर है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि 16 से 22 अगस्त तक जिला स्तर पर बूथ समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही इस दौरान बचे हुए 15,000 बूथों पर सत्यापन का काम भी होगा।

इस बीच, बूथ समिति संबंधी रिपोर्ट में हेराफेरी को रोकने और इसके गठन की प्रक्रिया को दोषरहित बनाने के लिए भाजपा ने सरल नाम से एक खास ऐप लांच किया है। इसके जरिए शीर्ष नेतृत्व को बूथ समिति की सारी जानकारी सीधे मिलेगी। ऐप के इस्तेमाल के नियमों को समझाने के लिए सोमवार को कोलकाता स्थित नेशनल लाइब्रेरी में एक कार्यशाला आयोजित की गई। बाद में, यह कार्यशाला 16 से 22 अगस्त तक जिला स्तर पर भी आयोजित की जाएगी। बूथ सशक्तीकरण का काम 24 अगस्त से शुरू होगा। पता चला है कि बंगाल भाजपा के खिलाफ लंबे समय से केंद्रीय नेतृत्व को बूथ समिति के बारे में गलत रिपोर्ट भेजने की शिकायत रही है। ऐसे में हेराफेरी रोकने को अब केंद्रीय नेतृत्व ने यह ऐप लांच किया है। जहां भी बूथ बनेगा, वहां बूथ अध्यक्ष और सदस्यों की सारी जानकारी, आधार, मोबाइल नंबर और फोटो ऐप में अपलोड करनी होगी। परिणामस्वरूप, केंद्रीय नेतृत्व घर बैठे जान सकेगा कि किसी बूथ पर कितने सक्रिय कार्यकर्ता हैं। बूथ-आधारित निगरानी से पता चलेगा कि बूथ का गठन नियमों के अनुसार हुआ है या नहीं।

स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने बीएलओ ड्यूटी से छूट की मांग पर निकाली रैली

डीए समेत कई मुद्दों पर उठाई आवाज

कोलकाता, समाज्ञा

माध्यमिक विद्यालयों के सैकड़ों प्रधानाध्यापकों ने मंगलवार को शिक्षा विभाग मुख्यालय तक रैली निकाली और मांग की कि उन्हें बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की ड्यूटी से छूट दी जाए एवं उन्हें 'शिक्षण या अन्य स्कूल प्रशासन गतिविधियों से असंबंधित कार्य' न सौंपे जाएं। 'एडवांस्ड सोसाइटी फॉर हेडमास्टर्स एंड हेडमिस्ट्रेसेस' (एएसएफएचएम) के महासचिव चंदन मैती ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त, राज्य प्रायोजित उच्च विद्यालयों और उच्च मदरसों के सैकड़ों प्रधानाध्यापक अपनी मांगों को लेकर करुणामयी केंद्रीय बस स्टैंड से शिक्षा विभाग मुख्यालय विकास भवन तक पैदल चले। इन मांगों में बीएलओ ड्यूटी से छूट, केंद्र सरकार के मानक के अनुसार महंगाई भत्ते का भुगतान, कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य योजना में शामिल करना है। मैती ने कहा कि हमारी मांग है कि शिक्षकों को बीएलओ के रूप में नियुक्त न किया जाए, क्योंकि बीएलओ का काम शिक्षण और स्कूल प्रशासन से संबंधित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ का काम प्रधानाध्यापकों पर भारी दबाव डाल रहा है, क्योंकि स्कूलों के सुचारू संचालन के लिए वे ही ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि रैली में 24 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव और मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष, प्रधान सचिव बिनोद कुमार ने राज्य के अधिकारियों से मिले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ सार्थक चर्चा की। मैती ने दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारी एसोसिएशन द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दों से सहमत थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रैली के बाद एसोसिएशन के सदस्य चले गए और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

विवेक रंजन अग्निहोत्री कोलकाता में 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर करेंगे लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री कोलकाता में अपनी आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर लॉन्च करने जा रहे हैं। इस अवसर पर वे सबसे पहले कालीघाट में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लेंगे, जिसके बाद ट्रेलर का भव्य अनावरण किया जाएगा। ट्रेलर लॉन्च के बाद विवेक अग्निहोत्री शहीद मीनार भी जाकर श्रद्धांजलि देंगे। यह फिल्म बंगाल के डायरेक्ट एक्शन डे और 1946 के कलकत्ता किलिंग्स जैसी दर्दनाक घटनाओं को दर्शाती है और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का तीसरा भाग है, जिसमें पहले 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' शामिल हैं। फिल्म का पहला टीजर, जो जून में रिलीज हुआ था, ने दर्शकों में जबरदस्त चर्चा पैदा की थी। इस फिल्म को विवेक ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार मुख्य भूमिका में हैं। 'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' योजना को मिली बड़ी सफलता : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' प्रोजेक्ट की अब तक की प्रगति की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरे राज्य में लोगों का शानदार समर्थन मिल रहा है और लाखों लोग इसमें भाग ले चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुसार, मंगलवार की शाम 4 बजे तक के आंकड़े के तहत, इस प्रोजेक्ट के तहत अब तक 14,265 बूथ कवर किए गए हैं और कुल 80,681 बूथ कवर किए जाने हैं। इसके तहत 28,753 कैंप आयोजित किए जाने हैं, जिनमें से अब तक 5,428 कैंप आयोजित हो गए हैं। अब तक कैंप में भाग लेने वाले कुल लोगों की संख्या 29,51,164 है। प्रति कैंप औसतन प्रतिभागी 544 लोगों की है। अब तक प्राथमिकता के आधार पर चुने गए प्रोजेक्ट 1,36,415 हैं। मंगलवार को ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि अब तक लगभग 30 लाख लोग इन कैंपों में शामिल हो चुके हैं, जो इस योजना की सफलता का बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि बंगाल के लोगों ने इस प्रोजेक्ट को इतने दिल से अपनाया है। यह हमारी सरकार की जनसेवा और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में जुटे सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की मेहनत की सराहना की। ममता ने कहा कि मैं उन सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देती हूं, जो दिन-रात मेहनत कर इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में लगे हैं।

ममता बनर्जी ने अगले सप्ताह फिर बुलाई मंत्रिमंडल की बैठक

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक सप्ताह के अंतराल पर फिर से मंत्रिमंडल की बैठक बुला ली है। सोमवार को हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए जाने के तुरंत बाद ही मंगलवार को यह नई बैठक बुलाए जाने से का निर्णय लिया गया जिसकी वजह से प्रशासनिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में यह बैठक आगामी सोमवार 18 अगस्त को शाम 4 बजे नवान्न में होगी। आमतौर पर, दो मंत्रिमंडल बैठकों के बीच 10 दिन से दो सप्ताह का अंतर रहता है, लेकिन इस बार इतनी जल्दी बैठक बुलाए जाने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को हुई पिछली बैठक में 'दुर्गांगन' सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण, कोलकाता में छोटे भूखंडों पर आवास निर्माण नीति और शालबनी में दो बिजली परियोजनाओं को मंजूरी जैसे बड़े निर्णय लिए गए थे। इसके बावजूद, मुख्यमंत्री द्वारा इतने कम अंतराल में फिर बैठक बुलाना यह संकेत देता है कि कुछ और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। सचिवालय के सूत्र मानते हैं कि हाल के दिनों में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच टकराव बढ़ा है। इसके अलावा, भाजपा-शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के साथ कथित उत्पीड़न और बंगाली भाषा बोलने पर हमलों के आरोप भी सामने आए हैं। संभावना है कि मुख्यमंत्री इन संवेदनशील मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए ही जल्दबाजी में यह बैठक कर रही हैं। अगले सोमवार की इस बैठक में राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों ही स्तर पर अहम घोषणाएं होने की उम्मीद है।

बारुइपुर अदालत ने दो नाबालिगों से दुष्कर्म के दोषी को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

कोलकाता, समाज्ञा

बारुइपुर की एक अदालत ने दो नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मंगलवार को बारुइपुर अनुमंडल न्यायालय के न्यायाधीश सुब्रत चटर्जी ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने नाबालिगों के परिवारों को मुआवजा देने का भी आदेश दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 27 मई, 2020 को दक्षिण 24 परगना में दो नाबालिगों से दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शाहजहां मोल्ला नाम के एक व्यक्ति ने बकुलतला थाना अंतर्गत नतूनहाट इलाके में शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोप है कि हुसैन मोल्ला नाम का एक युवक दोनों नाबालिगों को पास के सबेदा बागान में ले गया और उनके साथ दुष्कर्म किया। पता चला है कि दोनों नाबालिगों के साथ एक और व्यक्ति था, जो किसी तरह बच निकला। लेकिन दोनों नाबालिगों को प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि यातना के बाद दोनों नाबालिगों को धमकाया भी गया। पुलिस ने जांच शुरू की। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने अदालत में कई सबूत पेश किए। कई लोगों के बयान लिए गए। मामला पांच साल तक चला। आखिरकार, मंगलवार को अदालत ने अपना फैसला सुना दिया।

अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और दोनों नाबालिगों के परिवारों को एक-एक लाख रुपये का मुआवज़ा देने का आदेश दिया है।

नारायणा स्कूल, महेशतला को 'टाइम स्कूल सर्वे 2025' में मिला तीसरा स्थान

कोलकाता, समाज्ञा : नारायणा स्कूल, महेशतला ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए टाइम स्कूल सर्वे वेस्ट बंगाल 2025 में स्कूल को 'साउथ 24 परगना (सीबीएसई एवं अन्य बोर्ड) श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह सम्मान स्कूल की शिक्षा गुणवत्ता, उत्कृष्ट प्रबंधन और विद्यार्थियों की सर्वांगीण प्रगति के लिए निरंतर प्रयासों का परिचायक है। इस उपलब्धि का सम्मान एक भव्य समारोह में आईटीसी सोनार, कोलकाता में दिया गया, जहां स्कूल के प्रिंसिपल विश्वनाथ पांडेय और हेड मिस्ट्रेस क्रिस्टिना कैराउ ने पुरस्कार ग्रहण किया। स्कूल प्रबंधन ने इस सफलता को अपने चेयरमैन सुब्रमणियम पोंगुरु के नेतृत्व को

समर्पित किया, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व ने संस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। साथ ही एकेडमिक हेड प्रियंका मुखर्जी को भी अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद दिया गया। प्रिंसिपल पांडेय ने कहा, यह पुरस्कार हमारी पूरी टीम के समर्पण और मेहनत का परिणाम है। हम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। इस सम्मान से प्रेरित नारायणा स्कूल, महेशतला भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने का संकल्पित है।

रेलवे ने जनमाष्टमी पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए मेमू ट्रेन चलाई

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे ने जनमाष्टमी के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए देवघर और सुल्तानगंज के बीच एक मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 03442/03441 जमालपुर-देवघर-जमालपुर साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल और 03444/03443 देवघर-गोड्डा-देवघर साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल अपनी मौजूदा स्टॉपेज और टाइमिंग्स के अनुसार सेवा जारी रखेंगी। 03445 देवघर-सुल्तानगंज मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन 15 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे देवघर से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 10 बजे सुल्तानगंज पहुंच जाएगी। वहीं, 03446 सुल्तानगंज-देवघर मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन 16 अगस्त को सुबह 5:45 बजे सुल्तानगंज से चलकर सुबह 9:40 बजे देवघर पहुंचेगी।

03442 जमालपुर-देवघर साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल ट्रेन 17 अगस्त से 14 सितंबर तक हर रविवार पांच ट्रिप करेगी, जबकि 03441 देवघर-जमालपुर साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल भी इसी अवधि में हर रविवार चलेगी। इसी तरह 03444 देवघर-गोड्डा साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल और 03443 गोड्डा-देवघर साप्ताहिक पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें भी 17 अगस्त से 14 सितंबर तक हर रविवार पांच-दफे संचालित होंगी। दोनों मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेनें रास्ते के सभी स्टेशनों पर ठहराव करेंगी।

लिलुआ वर्कशॉप ने सेना के प्रति सम्मान और नागरिक जिम्मेदारी का दिया संदेश

कोलकाता, समाज्ञा : लिलुआ के कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप ने हर घर तिरंगा एवं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत देशभक्ति, रचनात्मकता और स्वच्छता का भव्य उत्सव मनाया। इस अवसर पर वर्कशॉप के कर्मचारी और उनके परिवार पूरे उत्साह के साथ जुड़े, जिन्होंने रंगोली प्रतियोगिता, पेंटिंग, निबंध लेखन, नारा लेखन तथा प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाया।

फ्लोरेंस डे स्कूल में आयोजित तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता में रेलवे कर्मचारियों के बच्चों ने तिरंगे के रंगों को खूबसूरती से उकेरा, साथ ही भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना

के बहादुर जवानों के लिए भावपूर्ण कृतज्ञता पत्र लिखे। 8 से 11 अगस्त तक चले स्वच्छता पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं ने न केवल देशभक्ति की भावना को प्रबल किया, बल्कि स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। वर्कशॉप के प्रबंधकों ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के लिए प्रशंसा पत्र दिए जाएंगे और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 15 अगस्त को पुरस्कार एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

सियालदह डिवीजन ने हर घर तिरंगा अभियान 2025 उत्साह से मनाया

कोलकाता, समाज्ञा : स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के तहत भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान को सियालदह डिवीजन ने बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया। इस अभियान का उद्देश्य देशवासियों को अपने घरों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय ध्वज के प्रति व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हो। भारत के लोगों की स्वैच्छिक भागीदारी ने इस अभियान को एक जनभागीदारी आंदोलन में बदल दिया है। सियालदह डिवीजन में कर्मचारियों को तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन के अंतर्गत संचालित चहक किड्स अकादमी ने 7 अगस्त को तिरंगा कला प्रदर्शनी लगाई। इस अभियान को 8 अगस्त को रंगोली प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य उत्सव के माध्यम से यादगार बनाया गया।

बाल विवाह से ट्रैफिकिंग तक... टीना जैसी कई बच्चे आज भी हैं असुरक्षित

कोलकाता : टीना (बदला हुआ नाम) स्कूल जाती थी, दोस्तों के साथ खेलती थी और उसके सपने थे..पढ़लिखकर कुछ बड़ा करने का इरादा था। लेकिन समाज ने कुरीतियों की बेड़ियों में जकड़कर उसकी इच्छाओं, सपनों, और भविष्य को खत्म कर दिया। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के एक छोटे से गांव में पली-बढ़ी टीना, शुरू में सामान्य जीवन जी रही थी। लेकिन उसकी यह मासूमियत उस दिन चूर-चूर हो गई जब उसके परिवारवालों ने महज 15 साल की उम्र में जबरन शादी के बंधन में बांध दिया। लेकिन बाल विवाह की शिकार टीना के संघर्ष का अंत यहीं नही हुआ बल्कि इससे भयावह मंजर था देह व्यापर के लिए ट्रैफिकिंग।

टीना की जिंदगी में एक और खौफनाक मोड़ तब आया जब उसके पड़ोस में रहने वाली महिला ने उसकी मजबूरी का फायादा उठाकर उसे एक झूठे वादे के साथ एक अपराधी के पास भेज दिया जो कि पेशेवर ट्रैफिकर था। उसने टीना को बेहतर जीवन का वादा कर अपने जाल में फंसा लिया और उसे धोखे

से बिहार के किशनगंज के बहादुरगंज ले गया। लेकिन असलियत में, उसका उद्देश्य टीना को देह व्यापर के दलदल में धकेलने का था। जब टीना ने इसका विरोध किया, तो ट्रैफिकर ने हिंसक रूप से अपनी नीयत जाहिर की।

भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि हर दिन टीना जैसी 8 लड़के-लड़कियां ट्रैफिकिंग का शिकार होती हैं। जिन्हें बाल विवाह, बाल देह व्यापर, बाल श्रम आदि के लिए खरीदा बेचा जाता है। टीना के विरोध पर उस व्यक्ति ने टीना पर मानसिक दबाव डालते हुए कहा कि उसके पति को इस काम के लिए राजी कर लिया है और अब उसे इसमें शामिल होना ही पड़ेगा। लेकिन मजबूत इरादों वाली टीना ने हार नहीं मानी और अपनी बेटी के साथ वहां से भाग निकली। वह बहादुरगंज के एलआरपी चौक पहुंची, जहां एक पान के दुकानदार ने उसकी मदद की और तुरंत नागरिक समाज संगठन 'राहत' की टीम को सूचित किया। राहत की टीम ने तत्काल प्रशासन के साथ मिलकर उसे बचाया और कटिहार के बालिका गृह में भेज दिया, जहां उसे सुरक्षा और सहायता मिल सकी।

राहत के प्रोजेक्ट मैनेजर एम. एम. दानिश ने कहा, जब हम पान वाले सज्जन की तरह अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक और सावधान रहते हैं, तो हम खुद के साथ साथ दूसरों को भी शोषण और ट्रैफिकिंग से बचा सकते हैं। देश में बड़े पैमाने पर बच्चे ट्रैफिकिंग के शिकार हो रहे हैं। हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका सही से और सख्ती से पालन नहीं हो पा रहा है। कानून का सख्ती से पालन कर और सरकार एवं समाज मिल कर इसे रोकने के लिए साझा प्रयास करेंगे तो दुनिया के इस संगठित अवैध कारोबार को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

टीना को बचाने के बाद जब उसके जीवन को समझने की कोशिश की, तो पता चला कि वह एक ऐसी लड़की थी जो बाल विवाह के दर्दनाक अनुभव से गुजर चुकी थी। खेलने-पढ़ने की 15 साल की उम्र में उसका विवाह कर दिया गया था। शादी के बाद वह जल्दी ही मां बन गई। उसकी मासूमियत और भविष्य की उम्मीदें छिन चुकी थीं। उसकी दुनिया अब घरेलू कामों और अपने बच्चे की देखभाल में सिमटकर रह गई थी। बाल विवाह ने उसे उस कड़ी में बांध दिया था जहां न तो उसकी आवाज सुनी जाती थी, न ही उसकी इच्छाओं का कोई महत्व था।

टीना की इस दर्दनाक कहानी से यह साफ होता है कि समाज में बाल विवाह और बाल दुर्व्यापार जैसे अपराधों को खत्म करने के लिए हमें लोगों को जागरूक करना होगा। बाल विवाह और ट्रैफिकिंग जैसी समस्याएं सिर्फ व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि ये पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी हैं। यदि हम मिलकर काम करें, तो हम बाल विवाह और ट्रैफिकिंग जैसी समस्याओं को समाप्त कर सकते हैं और समाज में बदलाव ला सकते हैं।

दक्षिण 24 परगना में 400 लोक कलाकारों का सम्मेलन, सरकारी योजनाओं पर दी गई जानकारी

कोलकाता : मदुसूदन मंच में दक्षिण 24 परगना ज़िले के 400 लोक कलाकारों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शासक (जिला परिषद) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने लोक कलाकारों को सरकारी विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के बारे में अवगत कराया। जनसाधारण को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और जागरूकता बढ़ाने के

उद्देश्य से, लोक कलाकारों के गीतों के माध्यम से मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया आदि की रोकथाम के बारे में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने विस्तार से समझाया। जिला योजना अधिकारी ने हमारा इलाका, हमारा समाधान कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लोक कलाकारों के गीतों के माध्यम से प्रचार करने की बात कही। समाज कल्याण विभाग ने भी विभिन्न सरकारी योजनाओं में सरल तरीक़े से पंजीकरण कर सरकारी सुविधाएं पाने की प्रक्रिया को लोक कलाकारों के गीतों के माध्यम से लोगों तक पहुँचाने का आग्रह किया। कृषि एवं उद्यान पालन विभाग के प्रतिनिधियों ने फ़सल बीमा, कृषि ऋण आदि विषयों की जानकारी अधिक से अधिक जनता तक पहुँचाने की अपील की।

सेंट अगस्टाइन डे स्कूल फॉर गर्ल्स में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

कोलकाता, समाज्ञा : सेंट अगस्टाइन डे स्कूल फॉर बॉयज के विद्यार्थियों ने अपनी बहनों के लिए सेंट अगस्टाइन डे स्कूल फॉर गर्ल्स में जाकर रक्षाबंधन का पर्व प्रेम और सम्मान के साथ मनाया। यह मनमोहक आयोजन 7 से 11 अगस्त तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। उत्सव के दौरान गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से रक्षाबंधन के महत्व को खूबसूरती से दर्शाया गया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के साथ-साथ विद्यालय के कर्मचारियों और पेड़ों को भी राखी बांधकर सम्मान और कृतज्ञता का संदेश दिया। विद्यालय में अलग-अलग दिनों पर राखी निर्माण गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने अपनी

रचनात्मकता से सुंदर और आकर्षक राखियां बनाईं। 9 अगस्त को विद्यालय की बुलबुल्स और गाइड्स इकाई ने जरूरतमंद बच्चों को राखी बांधी और भोजन वितरित कर समाजसेवा का उदाहरण पेश किया। 11 अगस्त को टेंट पार्टी के साथ समारोह का समापन हुआ।

प्रधानाचार्या जे. बिश्वास ने कहा, यह उत्सव दोनों विद्यालयों के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ विद्यार्थियों में रक्षाबंधन के वास्तविक अर्थ-आपसी स्नेह और सुरक्षा की गहरी समझ विकसित करने में सहायक रहा।

पूर्व रेलवे ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय, सफाई और स्वच्छता पर दिया विशेष ध्यान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के चार डिवीजन स्वच्छता अभियान के तहत लगातार सफाई और सार्वजनिक स्वच्छता को बढ़ावा दे रहे हैं। हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदह डिवीजन अगस्त 2025 से ये प्रभावशाली पहले चला रही है। रेलवे अस्पतालों, कॉलोनियों और स्टेशनों पर सफाई और स्वच्छता विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों और हितधारकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य रेलवे परिसरों के अंदर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्थायी कचरा प्रबंधन के महत्व को समझाना रहा। कचरा न फैलाने के लिए सभी डिवीजन के प्रमुख स्थानों पर कड़ा संदेश देते हुए विरोधी कूड़ा फेंकने के नोटिस लगाए गए हैं, जो यात्रियों और आगंतुकों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

पूर्व रेलवे के वाणिज्यिक विभाग और आरपीएफ पूरे वर्ष कूड़ा न फैलाने के अभियान में लगे हुए हैं। 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2025 तक कुल 52,573 कूड़ा फैलाने के मामलों में कड़ी कार्रवाई की गई, जिनमें सियालदह डिवीजन में 23,059, हावड़ा में 10,134, मालदह में 4,769 और आसनसोल में 14,611 मामले दर्ज हुए। पूर्व रेलवे स्वच्छ रेल और स्वच्छ भारत के लक्ष्य को बनाए रखते हुए जागरूकता, सख्त प्रवर्तन और जनभागीदारी से स्वच्छता सुनिश्चित करता है।

बांकुड़ा में तृणमूल नेता की गोली मारकर हत्या, दो गिरफ्तार

बांकुड़ा : जिले के सोनामुखी थाना इलाके में सोमवार की रात तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चोकाई ग्राम पंचायत के बूथ कन्वीनर सेकंदर खान उर्फ सायन खान (42) के रूप में हुई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। सुरक्षा की दृष्टि से इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, सेकंदर खान रात में बाइक से घर लौट रहे थे। चोकाई गांव के पास सिच्चा नाले के किनारे अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं। तीन गोलियां लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में

दहशत फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आरोपितों की तलाश में छापेमारी की गई है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों लोगों के नाम इब्राहिम शेख और कासिम शेख हैं। पता चला है कि गिरफ्तार किए गए लोग इलाके के पूर्व बूथ अध्यक्ष नसीम शेख के बेटे हैं। पता चला है कि कुछ महीने पहले इलाके में नाले के निर्माण को लेकर नसीम शेख और सेकेंद्र खान के बीच विवाद हुआ था। क्या यह घटना उसी विवाद का नतीजा है? जांचकर्ता इसकी जाँच कर रहे हैं। और इस घटना में कौन शामिल है? पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

कोन्नगर के कई इलाकों में 'सेटिंग' पोस्टर से राजनीतिक विवाद गरमाया

हुगली : हुगली के कोन्नगर में मंगलवार सुबह उत्तरपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में 'सेटिंग' लिखे पोस्टर देखे गए, जिसने स्थानीय सियासत में गरमागरमी पैदा कर दी है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये पोस्टर किसी विज्ञापन का हिस्सा हैं या इनके पीछे कोई राजनीतिक उद्देश्य छुपा है। पोस्टर किसने लगाए, इसकी भी जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है, लेकिन इस मामले ने राजनीतिक विवाद को हवा दे दी है।

यह विवाद सोमवार को तब शुरू हुआ जब श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बंद्योपाध्याय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक साथ खिंची गई तस्वीर सार्वजनिक हुई। सोमवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित एसआईआर के विरोध में चुनाव आयोग कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम था, लेकिन विपक्षी सांसदों को पुलिस ने आयोग के कार्यालय तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इस दौरान कई महिला सांसद बीमार भी हो गईं। कल्याण बंद्योपाध्याय उस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए बल्कि उन्होंने नए सांसद भवन के उद्घाटन में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस फोटो के सामने आने के बाद कोन्नगर में 'सेटिंग' पोस्टर देखने को मिले, जिससे अटकलें तेज हो गईं।

तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर अपने विश्वास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी ममता बनर्जी के प्रति निष्ठा पर कोई सवाल नहीं उठ सकता और वह हमेशा बनी रहेगी। साथ ही, कल्याण बनर्जी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सोमवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के धरने में शामिल नहीं हो सके, क्योंकि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में दो महत्वपूर्ण मामलों में उपस्थित रहना था। तृणमूल सांसद ने आगे बताया कि वह सांसदों के लिए बनाए गए नए फ्लैटों के उद्घाटन कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। कल्याण बनर्जी ने बताया कि वे 2014 से संसदीय हाउस कमेटी के सदस्य हैं और इन फ्लैटों के निर्माण में उनकी अहम भूमिका रही है। सुबह 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुआ और 10:30 बजे सुप्रीम कोर्ट रवाना हो गया। इसीलिए धरने में शरीक नहीं हो सका। इसके साथ ही बिना किसी का नाम लिए कल्याण बनर्जी ने कहा कि मुझे किसी को सफाई देने की जरूरत नहीं, लेकिन कुछ लोग हमेशा मुझे घेरने का मौका तलाशते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में उन्होंने 1.75 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी और वह अपने ईमान, समर्पण और ममता बनर्जी के प्रति वफादारी पर हमेशा कायम रहेंगे।

इसके जवाब में बीजेपी के राज्य समिति सदस्य प्रणय रॉय ने कहा कि 9 अगस्त को सीपीआईएम और तृणमूल की 'सेटिंग' साफ हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नबन्ना अभियान में पुलिस ने पीड़िता के माता-पिता को पीटा, जबकि उसी दिन सीपीआईएम ने पुलिस की अनुमति से मार्च किया।

तृणमूल के हुगली जिला उपाध्यक्ष स्वप्न दास ने भी आरोपों का पलटवार किया और कहा कि 'सेटिंग' पोस्टर सीपीआईएम ने लगाए हैं, क्योंकि उनका वोट बीजेपी के पास जा रहा है। उन्होंने कल्याण और प्रधानमंत्री की मुलाकात को शिष्टाचार बताया और कहा कि सांसद के अंदर सदस्यों की बातचीत को 'सेटिंग' कहना गलत है। उन्होंने कहा, जिनके पास शिष्टाचार नहीं है, वही 'सेटिंग' की बातें करते हैं। इस पूरे मामले ने कोन्नगर की राजनीतिक हलचलों को और अधिक तेज कर दिया है, जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं।

चुंचुड़ा में पुलिस पर हमले का वीडियो वायरल

हुगली, समाज्ञा : चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर चुंचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल के पास पुलिस पर हमले का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिस के एक जवान की वर्दी पकड़कर दो युवक और एक महिला सरेआम खींच रहे हैं। पुलिस वाला जब गाड़ी में बैठने की कोशिश करता है तो युवक उसे वर्दी पकड़कर खींचते हुए कुछ दूर लेकर जा रहे हैं। मौके पर लोगों की भीड़ और अन्य पुलिस के जवान भी हैं जो तमाशबीन बने हुए हैं। हालांकि, इस वीडियो के सत्यता की पुष्टि 'समाज्ञा' नहीं करता है, लेकिन एक मिनट 55 सेकेंड का यह वीडियो मंगलवार की सुबह से ही तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय सूत्रों की मानें तो यह घटना गत 9 अगस्त को

चुंचुड़ा इमामबाड़ा सदर अस्पताल के पास घटी। वीडियो में दिख रहे युवक और महिला स्थानीय तृणमूल पार्षद समीर सरकार के बेहद करीबी हैं। पुलिस के जवान पर सरेआम हुए इस हमले ने चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस मामले में चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई थी।

दुर्गापुर में मिथुन चक्रवर्ती ने की बैठक, सनातनियों को एकजुट करने पर दिया जोर

दुर्गापुर : राज्य में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चुनावी रणनीति तय करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए भाजपा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य व अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने मंगलवार को दुर्गापुर इस्पात नगरी के नेताजी भवन में दुर्गापुर पूर्व और दुर्गापुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कर्मी सम्मेलन किया। बैठक के बाद, मिथुन चक्रवर्ती ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि वे चुनाव को लेकर पूरे राज्य में घूमेंगे, सभी सनातनियों को एकजुट करेंगे और खुद लड़ाई करेंगे। उन्होंने कहा कि अब सनातनी जग चुके हैं, सनातनी सबसे ऊपर है, कोई मानता है और कोई नहीं मानता है। हमलोग खुद को हिंदू कहते हैं, लेकिन सबका स्रोत सनातन ही है। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर काफी संगठित हुई है। हमलोग लड़ने वाले लोग हैं, लड़ाई के बिना मैदान छोड़ना पसंद नहीं है।

❑ **'भाजपा का चेहरा मोदी, चिह्न कमल'**

मिथुन चक्रवर्ती के भाजपा का चेहरा होने के संदर्भ में कहा कि 21 राज्यों में भाजपा की सरकार है। भाजपा का चेहरा मोदी जी हैं और हमलोग का चिन्ह कमल फूल है। चुनाव के बाद पार्टी जिसको तय करेगी, वही कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बनेगा। बंगाल के टॉप पांच गायक हिंदी में गाते हैं और हिंदी बोल रहे हैं। यहां भाषा को मुद्दा बनाना ठीक नहीं है। मिथुन ने कहा कि वह खुद बैंगलोर में होटल चलाते हैं, वहां 150 कर्मचारी प्रवासी श्रमिक हैं, जो कि बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदह और अन्य जगहों के हैं।

❑ **राज्य में कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल**

मिथुन चक्रवर्ती ने चुनावी प्रक्रियाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर केंद्रीय सशस्त्र बल चुनाव के दौरान अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाएं तो मतदान अपने आप सुचारु रूप से हो जाएगा। लेकिन, कभी-कभी वे नियंत्रण खो देते हैं। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की ओर से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए मिथुन ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस्तीफा क्यों देना चाहिए? इस मुद्दे पर विपक्ष का रवैया गलत है। सोनामुखी में तृणमूल नेता की हत्या पर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि राज्य में यह रोजमर्रा की घटना है। ममता सरकार कानून व्यवस्था के मोर्चे पर फेल है। वहीं, एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि राज्य में यह जरूरी है।

तीन दिन बाद भी रामकृष्ण पुल की शुरू नहीं हुई मरम्मत

हुगली : हुगली में द्वारकेश्वर नदी पर स्थित करीब 65 साल पुराने रामकृष्ण पुल का एक हिस्सा टूटे हुए लगभग तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की तरफ से अब तक मरम्मत का कोई काम शुरू नहीं हुआ है। फिलहाल पुल के टूटे हुए हिस्से को पुलिस ने बैरिकेडिंग कर हाइट बार लगा दिया है और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बस यात्रियों को पुल के एक किनारे से उतारकर पैदल पार कराया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मंगलवार को भी मौके पर नहीं पहुंचे, जबकि स्थानीय लोग पुल की मरम्मत के लिए अत्याधुनिक तकनीक अपनाने या वैकल्पिक पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। भारी

मालवाहक ट्रकों और ऊंची बसों को वर्दवान और एकलक्ष्मी की ओर मोड़ा जा रहा है, जिससे वाहनों को 36 से 42 किमी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, जो समय और ईंधन दोनों की बर्बादी का कारण बन रहा है। ट्रॉली वैन चालक राजीब उद्दीन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से कोई पहल नहीं हो रही है और फिलहाल पुलिस ही यातायात और सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही है। बीजेपी के आरामबाग जिला अध्यक्ष सुषांत बेरा ने कहा कि सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है और या तो नया पुल बनाना होगा या मौजूदा पुल को आधुनिक तकनीक से दुरुस्त किया जाना चाहिए।

नदिया में तालाब में डूबी तीन किशोरियां, दो की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के ताहेरपुर थाना अंतर्गत के पुराने दिघिरपार इलाके में मंगलवार को नहाने के दौरान तीन किशोरियां एक तालाब में डूब गईं। उनकी चीखें सुनकर आस-पास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और पानी में कूदकर उन्हें बचाया गया। स्थानीय निवासियों ने उन्हें तुरंत रानाघाट महकमा अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, उनमें से दो को बचाया नहीं जा सका। कुछ देर गंभीर हालत में इलाज के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। दिघिरपार की 10 वर्षीय राशि सरकार और 11 वर्षीय ज्योति मंडल की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। वहीं, 15 वर्षीय देविका सरकार अभी भी रानाघाट अस्पताल में मौत से जूझ रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

दुर्गा पूजा में शामिल सभी समितियों की आर्थिक मदद करना सराहनीय कदम : कुणाल घोष

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा के लिए सरकारी अनुदान की घोषणा की है। मुख्यमंत्री के इस कदम पर भाजपा का कहना है कि वो 2026 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपने को हिंदुत्ववादी साबित करना चाहती हैं। भाजपा के इन आरोपों का जवाब टीएमसी नेता कुणाल घोष ने दिया। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है, बंगाल में दुर्गा पूजा लंबे समय से होती आ रही है, ममता बनर्जी दुर्गा पूजा में शामिल सभी समितियों की मदद कर रही हैं। मेरा मानना है कि यह एक अच्छा और सराहनीय कदम है। उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह ने 2021 में बंगाल में दुर्गा पूजा शुरू की, फिर दो साल तक पूजा बंद रही, इस साल बीजेपी फिर से दुर्गा पूजा करने जा रही है, क्या बीजेपी खुद को बंगाली साबित कर रही है? बीजेपी ने पूजा शुरू की, रोकी और फिर से शुरू करने जा रही है, वो घर किराए पर लेकर पूजा करने जा रहे हैं, वो ऐसा क्यों कर रहे हैं। बंगाल में इतनी सारी पूजाएं होती है, भाजपा का इनसे कोई लेना-देना नहीं है।

टीएमसी मतदाता सूची की गंभीरता से जांच कर रही

चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि आप बिहार के परिणामों को देखें, तो एक बार एक कुत्ते का नाम 'कुत्ता' लिखा गया था, एक बार 'ट्रैक्टर' और एक बार 'डोनाल्ड ट्रंप' का नाम मतदाता सूची में छपा हुआ सामने आया था। हमारी पार्टी का साफतौर पर मानना है कि एक भी मतदाता का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले ममता बनर्जी ने इस मतदाता सूची घोटाले के खिलाफ आवाज उठाई थी। महाराष्ट्र और दिल्ली में यही हुआ। ममता बनर्जी ने इसे पकड़ा। टीएमसी मतदाता सूची की गंभीरता से जांच कर रही है। अगर महाराष्ट्र और दिल्ली की भाजपा विरोधी पार्टियां इसे पहले पहचान लेती तो शायद परिणाम विपरीत होते।

महुआ मोइत्रा ने बंगाल में मनरेगा कार्य फिर से शुरू होने में देरी पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर पूछा कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा कार्य को फिर से शुरू करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को क्यों लागू नहीं किया गया है। अपने पत्र में लोकसभा सदस्य ने बताया कि उच्च न्यायालय ने 18 जून को केंद्र को निर्देश दिया था कि वह राज्य में 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना 'मनरेगा' को एक अगस्त से लागू करे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भी पत्र साझा किया। 'मोइत्रा ने पत्र में कहा कि उच्च न्यायालय के अत्यंत सटीक और स्पष्ट निर्देशों को देखते हुए, मैं मंत्रालय से अत्यंत सम्मानपूर्वक पूछना चाहूंगी कि आदेश को लागू

करने में यह अस्पष्टीकृत देरी क्यों हो रही है? एक अगस्त, 2025 की समय सीमा के लगभग 10 दिन बीत चुके हैं और मंत्रालय स्पष्ट रूप से न्यायालय की अवमानना कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में, मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि आप मामले पर तुरंत गौर करें और हमें स्पष्ट समय-सीमा बताएं कि आदेश का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन कब होगा और बंगाल में मनरेगा का काम कब फिर से शुरू होगा।

नवान्न अभियान में शामिल होने के आरोप में दो प्रदर्शनकारी गिरफ्तार, पुलिस हिरासत का आदेश

प्रदर्शनकारियों से मिलने पहुंचीं भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल

हावड़ा, समाज्ञा : पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद गत 9 अगस्त को नवान्न अभियान में शामिल होकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में दो प्रदर्शनकारियों को रानीगंज से गिरफ्तार किया गया है। दोनों प्रदर्शनकारियों के नाम अभिक मंडल और मनोरंजन घोष है। बताया जा रहा है कि ये दोनों उस दिन हावड़ा मैदान और सांतरागाछी में हुए प्रदर्शन के दौरान शामिल थे। मंगलवार को दोनों को हावड़ा कोर्ट में पेश किया, जहां मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजने का निर्देश दिया है। वहीं, दोनों प्रदर्शनकारियों से मिलने के

लिए भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल हावड़ा कोर्ट पहुंचीं। यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की अनुमति लेकर ही नवान्न अभियान किया गया था। बावजूद इसके पुलिस प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर रही है। यह सरासर अन्याय है। भाजपा विधायक ने कहा कि कभी विपक्ष की नेता रहीं ममता बनर्जी आज विपक्ष को चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। यह कैसा लोकतंत्र है। एसआईआर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि तृणमूल का वोट बैंक बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। इसीलिए एसआईआर को लेकर तृणमूल सरकार इतना हंगामा कर रही है। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के एसआईआर वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग उनका घर नहीं है। चूंकि, उन्हें मालूम है कि एसआईआर लागू होने से उनकी मुश्किलें बढ़ जायेंगी, क्यों कि डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र में फर्जी मतदाताओं की भरमार है।

नदिया में एक करोड़ रुपये के बालों से भरी गाड़ी में डकैती, तीन गिरफ्तार

नदिया : नदिया में एक करोड़ रुपये मूल्य के बालों से भरी गाड़ी से डकैती की सनसनीखेज घटना सामने आई है। नकासीपाड़ा थाना पुलिस ने इस मामले में एक सिविक वॉलंटियर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह वारदात नकासीपाड़ा थाना क्षेत्र के 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग के भोलाडांगा इलाके में हुई, जहां आरोपी गाड़ी को रोककर चालक को उतार कर बालों से भरी गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, यह गाड़ी शालीमार स्टेशन से मुर्शिदाबाद के बेलडांगा जा रही थी। घटना के बाद नकासीपाड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच में जुटी पुलिस भी इस डकैती की बड़ी रकम सुनकर हैरान रह गई। गहन जांच के बाद सिविक वॉलंटियर मोशर्रफ हुसैन (धुबुलिया निवासी) के साथ दो अन्य आरोपियों छैरुद्दीन शेख और हसीबुल शेख को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से लगातार पूछताछ जारी है। मंगलवार को इन्हें कृष्णनगर जिला अदालत में पेश किया गया, जहां तीन दिन की पुलिस हिरासत का आदेश मिला है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी कीमत के बाल कहां ले जाए जा रहे थे और इस मामले में अन्य कोई शामिल तो नहीं।

'ताराचंद का महराजा' का खूंटी पूजा विधिवत सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री सिद्धिविनायक सेवा संघ द्वारा संचालित 'ताराचंद का महराजा' का खूंटी पूजा विधिवत सम्पन्न हुआ, जिसमें पूर्व विधायक संजय बक्शी, बोरो चेयरमैन एवं पार्षद रेहाना खातून, पूर्व विधायक स्मिता बक्शी, पार्षद विजय उपाध्याय, पार्षद राजेश सिंहा, पार्षद आयेशा कनीज, पार्षद तपन राय, इरफान अली ताज, चेयरमैन रामचन्द्र बडोपलिया, प्रमोद चाण्डक, सुभाष गोयनका, गिरधारी साव, साहिद भाई, विश्वनाथ जी, सुरेंद्र शर्मा, पुष्पक मुखर्जी, प्रभात तिवाड़ी, अनिल शर्मा, बबलू, हरीश बडोपलिया, अशोक ओझा, जनकल्याण के सम्पादक संजय अग्रवाल, पारस अग्रवाल, शिव शर्मा, पवन शर्मा, अरविंद शर्मा, नवल मण्डल, रामनाथ, नीरज, ओम भाई, भीमपाल पण्डित नवीनजी, उमेश सिंह, संदीप सोमानी आदि शामिल हुए। यह जानकारी संस्था के सचिव गणेश शर्मा ने दी।

निसान ने मैग्नाइट के लिए लॉन्च किया सेगमेंट का पहला 10 साल का एक्सटेंडेड वारंटी प्लान

दुर्गापुर : निसान मोटर इंडिया ने नई निसान मैग्नाइट के लिए अपनी तरह का पहला 10 साल का एक्सटेंडेड वारंटी प्लान लॉन्च किया। यह सेगमेंट में अपनी तरह का पहला प्लान है, जो गुणवत्ता, भरोसे और मन के सुकून को लेकर ब्रांड की लॉन्ग-टर्म कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) को दर्शाता है। एओपी (एडल्ट ऑक्युपेंट सेफ्टी) में परफेक्ट 5-स्टार रेटिंग के साथ ओवरऑल पैसेंजर सेफ्टी में नई निसान मैग्नाइट को 5-स्टार रेटिंग मिलने की सफलता के बाद कंपनी ने इस एक्सटेंडेड प्लान का एलान किया है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'नई निसान मैग्नाइट भारतीय ग्राहकों के लिए क्वालिटी, रिलायबिलिटी, सेफ्टी और लॉन्ग-टर्म वैल्यू का प्रतीक बनकर सामने आई है और हमें गर्व है कि प्रतिष्ठित ग्लोबल एनसीएपी की तरफ से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ यह भारत की सबसे सुरक्षित बी-एसयूवी में शुमार हो गई है।

बासंती में जमानत पर छूटे आरोपी ने पीड़िता के घर किया हमला, 5 गंभीर घायल

कोलकाता, समाज्ञा

बासंती थाना क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है जहां बलात्कार के प्रयास के आरोपित युवक ने जेल से जमानत मिलते ही पीड़िता के घर हमला कर दिया। इस हमले में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को पहले बासंती ब्लॉक ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कैनिंग महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी इलाके के एक दबंग तृणमूल नेता के बेटे का समर्थक है। करीब डेढ़ महीने पहले आरोपी पर रात के अंधेरे में एक गृहिणी पर बलात्कार का प्रयास करने का आरोप लगा था, जिसके बाद पीड़िता के परिवार ने बासंती थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल में डेढ़ महीने बिताने के बाद आरोपी को जमानत मिली, जिसके कुछ समय बाद मंगलवार दोपहर को वह अपने समर्थकों के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और परिवार के सदस्यों पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। इस हमले में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को पहले बासंती ब्लॉक ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कैनिंग महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर बासंती थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर और भारत माता के वीर सपूतों को नमन करते हुए मंगलवार को नॉर्थ कोलकाता जिला अध्यक्ष तमोघ्नो घोष की उपस्थिति में चौरंगी मंडल-1 में 'तिरंगा यात्रा' एवं 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला और मंडल पदाधिकारी तथा सभी स्तर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पू. सी. रेलवे ने हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से देशभक्ति का जश्न मनाया

मालीगांव : भारत की स्वतंत्रता यात्रा को श्रद्धांजलि देते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने हर घर तिरंगा अभियान 2025 का आयोजन किया। महाप्रबंधक (निर्माण) अरुण कुमार चौधरी के नेतृत्व में आयोजित तिरंगा यात्रा में 200 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी और यूनियन प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज लेकर मार्च किया, नारे लगाए और लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। कार्यालय परिसर में सेल्फी बूथ लगाया गया और स्वतंत्रता संग्राम व तिरंगे पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। अधिकारियों व कर्मचारियों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए 13 से 15 अगस्त तक सभी को तिरंगा वितरित किया गया, ताकि वह हर घर में लहर सके।

आजादी का अमृत महोत्सव और 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने हावड़ा स्टेशन, वर्दवान स्टेशन और बोलपुर स्थित गीतांजलि रेल संग्रहालय को तिरंगे की रोशनी से सजाया। साथ ही 'हर घर तिरंगा' अभियान को बढ़ावा देते हुए रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों और आम जनता से राष्ट्रीय ध्वज के साथ तस्वीरें लेने का आह्वान किया।

कंप्यूटर प्रशिक्षण के आड़ में फर्जी आधार कार्ड बनाने के कारोबार का भंडोफोड़

मालदह : एक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के पीछे फर्जी आधार कार्ड घोटाला का भंडाफोड़ किया गया है। इस मामले में दो लोगों को पहले ही गिरफ़्तार किया जा चुका है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। और जब से यह मामला सामने आया है, राजनीतिक तनाव शुरू हो गया है। भाजपा आरोप लगा रही है कि बांग्लादेशी रोहिंग्या आकर फर्जी आधार कार्ड बना रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक़, गिरफ्तार लोगों के नाम मुस्तफ़ा अब्दुल बहीद और मोहम्मद आजम उर्फ नवाब है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सबसे पहले चांचल पुलिस ने चांचल थाना क्षेत्र के सती इलाके से मुस्तफा अब्दुल बाहिद को गिरफ्तार किया। बाद में, पूछताछ के बाद, इस फर्जी आधार कार्ड घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंडों में से एक मोहम्मद आजम को हरिश्चंद्रपुर थाना क्षेत्र के कुशीदार के उत्तर रामपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ये उत्तरी रामपुर इलाके में एक सीएसपी और कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर चलाते थे। लेकिन इसके पीछे फर्जी आधार कार्ड बनाने का काम चल रहा था। पुलिस लंबे समय से इनकी तलाश में थी। फिर, सूत्रों से जानकारी मिलने पर ये दोनों जाल में फैल गए। मालदह जिले के एक तरफ बिहार-झारखंड की सीमा है। दूसरी तरफ, बांग्लादेश की सीमा का एक बड़ा हिस्सा है। जहां नदी मार्ग का ज़्यादातर हिस्सा असुरक्षित है। घुसपैठ का खतरा बना रहता है।

रामपुर में बर्ड फ्लू की पुष्टि : 15 हजार मुर्गियों की मौत, चिकन और अंडों की बिक्री पर प्रतिबंध

बरेली : उत्तर प्रदेश में रामपुर जिला प्रशासन ने सीहोर गांव के एक कुक्कुट पालन केंद्र में संदिग्ध रूप से बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5 वायरस) संक्रमण के चलते 15 हजार से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गयी। संक्रमण की पुष्टि के बाद 21 दिनों के लिए चिकन, अंडों और अन्य कुक्कुट उत्पादों की बिक्री और परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिलाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने हालात को देखते हुए सोमवार को एक आपात बैठक बुलाई और जिले भर में चिकन परोसने वाले भोजनालयों सहित सभी चिकन की दुकानों को तीन सप्ताह के लिए बंद करने का आदेश दिया। उन्होंने अगली सूचना तक जिले के भीतर और बाहर कुक्कुट और कुक्कुट उत्पादों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर नजर रखने के लिए जिला और बिलासपुर तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। बिलासपुर क्षेत्र के सिंघोर और सेहोरा गांवों के कुक्कुट पालन केंद्रों में हजारों पक्षियों की मौत के बाद प्रशासन ने प्रभावित केंद्र के एक किलोमीटर के दायरे को सील कर दिया और 10 किलोमीटर के इलाके को निगरानी क्षेत्र घोषित कर दिया है।

झारखंड में छोटी बहन के सामने युवती से बलात्कार, दो गिरफ्तार

मेदिनीनगर (झारखंड) : झारखंड के पलामू जिले में 22 वर्षीय एक युवती के साथ उसकी छोटी बहन के सामने दो लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पलामू की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रीष्मा रमेशन ने बताया कि युवती ने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह और उसकी बहन आजीविका की तलाश में पंजाब जाने के लिए डाल्टनगंज स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थीं और दो व्यक्ति, जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे, उन्हें एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया। एसपी ने कहा, दोनों बहनों को चैनपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहां दोनों व्यक्तियों ने बड़ी बहन के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। रमेशन ने बताया, अपराध के बाद, जब दोनों व्यक्ति उन्हें मोटरसाइकिल पर डाल्टनगंज स्टेशन ले जा रहे थे, तो छोटी बहन दोपहिया वाहन से कूद गई और शोर मचाया।

लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के नये चरण की स्वीकृति मील का पत्थर साबित होगी : योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी की स्वीकृति राज्य की विकास यात्रा में मील का एक पत्थर साबित होगी। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 5,801 करोड़ रुपये की लागत से 11.165 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर वाली लखनऊ मेट्रो परियोजना के चरण-1बी को मंजूरी दिए जाने के बाद यह टिप्पणी की। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन एवं आपके सतत सहयोग का ही यह प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश आज अभूतपूर्व विकास यात्रा पर अग्रसर है।' उन्होंने इसी पोस्ट में आगे कहा, 'लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मिली यह स्वीकृति प्रदेश की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। हार्दिक आभार माननीय रक्षा मंत्री जी!' लखनऊ से सांसद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मंजूरी दे दी है। इस गलियारे की लंबाई 11.165 किलोमीटर होगी और इसमें 12 स्टेशन होंगे - सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड।' राजनाथ ने इसी पोस्ट में आगे कहा, के चालू होने पर लखनऊ शहर में 34 किलोमीटर का सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। नए गलियारे से प्रतिदिन दो लाख अतिरिक्त यात्रियों के आवागमन की उम्मीद है। लखनऊ मेट्रो के चरण-1बी का पूर्व-पश्चिम गलियारे का विस्तार पुराने शहर के इलाके में भीड़भाड़ का सामना करने वाले दैनिक यात्रियों के लिए एक वरदान साबित होगा।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''मैं इस प्रगतिशील और जन-हितैषी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं। मैं लखनऊ में प्रस्तावित मेट्रो विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और शहरी विकास एवं आवास मंत्री श्री मनोहर लाल का भी आभार व्यक्त करता हूं।' रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 5,801 करोड़ रुपये की लागत से 11.165 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के साथ लखनऊ मेट्रो परियोजना के चरण-1बी को मंजूरी दे दी।

उत्तर प्रदेश में अब 67.50 लाख बुजुर्गों को मिलेगा पेंशन का लाभ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के 61 लाख गरीब बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन देने के अपने वादे को वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही पूरा कर लिया है। राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक अब सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 67.50 लाख पात्र बुजुर्गों तक पेंशन की राशि पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले, बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही सरकार ने अपने लक्ष्य के अनुरूप 56 लाख गरीब बुजुर्गों के खाते में 1,000 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन की राशि देकर उनकी आर्थिक सहायता कर चुकी है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में वृद्धावस्था पेंशन योजना में पेंशन धारकों का लक्ष्य 61 लाख निर्धारित किया था, जिसे पहले ही वित्त वर्ष में प्राप्त कर आगे का नया लक्ष्य तय किया है।

आजमगढ़ जिले में तैनात होमगार्ड निकला गैंगस्टर, 24 साल से कर रहा है ड्यूटी

आजमगढ़ : उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में सामने आये एक चौंकाने वाले मामले में मुबारकपुर थाने में तैनात होमगार्ड का जवान एक शातिर अपराधी निकला। उस पर मादक पदार्थों की तस्करी, बलात्कार और चोरी समेत आठ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दामोदरपुर गांव निवासी निरंकार राम की वर्ष 2001 में होमगार्ड विभाग में भर्ती हुई थी। उसके तुरंत बाद ही उसने कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दीं। अधिकारियों ने बताया कि उसके खिलाफ छह मामले उसी थाने में दर्ज किए गए थे जहां वह पिछले 24 वर्षों से तैनात था। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुवन कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''होमगार्ड की आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी पहले ही मिल चुकी थी। होमगार्ड्स कमांडेंट को एक रिपोर्ट भेजी गई थी जिसके बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। वह पिछले एक महीने से ड्यूटी पर नहीं आया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।'' पुलिस रिकॉर्ड बताते हैं कि निरंकार राम के खिलाफ पहला मामला वर्ष 2003 में राजकीय रेलवे पुलिस के भटनी थाने में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी तत्व अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था।

उप्र में तीन वर्षों में गरीबों को 13,07,470 आवास स्वीकृत : ग्राम्य विकास राज्य मंत्री

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार की ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने मंगलवार को विधानसभा में जानकारी दी कि विगत तीन वर्षों में राज्य में कुल 13,07,470 गरीब, निर्बल और असहाय वर्ग के लोगों को आवास स्वीकृत किये गये हैं। विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को प्रश्नकाल में विजय लक्ष्मी गौतम ने समाजवादी पार्टी के सदस्य अरमान खान के सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने सदन को बताया कि वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना में विगत तीन वर्षों में कुल 10,44,876 और मुख्यमंत्री आवास योजना में कुल 2,62,594 पात्र लाभार्थियों को आवास स्वीकृत किये गये हैं।

राजस्थान में आगामी डिजिटल जनगणना की तैयारियां शुरू

जयपुर : राजस्थान में आगामी डिजिटल जनगणना की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पहली बार, नागरिकों को हाल में शुरू किये गए स्व-गणना वेब पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना के जरिये इसमें सीधे भाग लेने का अवसर मिलेगा। एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्तियों द्वारा दर्ज किए गए विवरणों का बाद में अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि सरकारी कर्मचारी भी घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगे, जिन्हें टैबलेट पर डिजिटल फॉर्म में भरा जाएगा। जयपुर स्थित क्षेत्रीय जनगणना निदेशालय के निदेशक विष्णु चरण ने बताया कि यह पहली बार होगा जब स्व-गणना पद्धति का उपयोग किया जा रहा है और राजस्थान सहित पूरे देश में एक डिजिटल प्रारूप लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया दो चरणों में होगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में अप्रैल से सितंबर 2026 तक घरों की सूची बनाई जाएगी, जबकि दूसरे चरण में 9 से 20 फरवरी, 2027 तक लोगों की वास्तविक गणना की जाएगी। उन्होंने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 2011 से जून 2025 तक राजस्थान में कई प्रशासनिक बदलाव हुए हैं और उन्हें जनगणना में शामिल करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। जिलों की संख्या 33 से बढ़कर 41, तहसीलों की संख्या 244 से बढ़कर 426 और कस्बों की संख्या 185 से बढ़कर 313 हो गई है।

बिहार की गंडक नदी में घड़ियालों की संख्या बढ़कर 372 हुई, पांच वर्षों में 113 की वृद्धि

पटना : बिहार की गंडक नदी में मछली खाने वाले घड़ियालों की संख्या बढ़कर 372 हो गई है जो वर्ष 2020 में 259 थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंडक नदी देश में चंबल अभयारण्य के बाद घड़ियालों का दूसरा सबसे बड़ा प्रजनन स्थल है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हरज्योत कौर बमराह ने बताया कि भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) के परियोजना विशेषज्ञों और स्थानीय निगरानीकर्ता राज्य में घड़ियालों के जमावड़े वाले स्थानों पर निगरानी रख रहे हैं। बमराह ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, ''घड़ियालों की संख्या में हुई वृद्धि महत्वपूर्ण है और इसने वन विभाग अधिकारियों एवं पर्यावरणविदों को उत्साहित किया है। नदी में घड़ियालों को छोड़े जाने के बाद उनकी संख्या जो 2015 में 54 थी, वह अब बढ़कर 372 हो गई है। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी से 4 मार्च के दौरान गंडक बैराज से सोनेपुर-हाजीपुर ब्रिज तक 326 किलोमीटर के नदी क्षेत्र में किए गए एक सर्वेक्षण में देखा गया कि घड़ियालों की कुल संख्या में 62 वयस्क (नर), 98 उप-वयस्क, 110 किशोर और 102 बच्चे (आयु करीब एक वर्ष) हैं।

संभल के सांसद जिया उर रहमान बर्क पर लगा एक लाख 35 हजार रुपये का जुर्माना

संभल : उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया उर रहमान बर्क द्वारा नक्शा मंजूर कराये बिना अपने मकान का निर्माण कराने को लेकर उन पर एक लाख 35 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बर्क पर दीपा सराय इलाके में बिना नक्शा पास कराए मकान के निर्माण का आरोप है। इस सिलसिले में पिछले साल पांच दिसंबर को विनियमित क्षेत्र उपजिलाधिकारी की ओर से बर्क को नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में सपा सांसद को लगातार नोटिस दिए गए और कई तारीखें दी गईं। आखिरकार 28 जुलाई को उप जिलाधिकारी की अदालत ने 11 अगस्त को आदेश सुनाने को कहा था।

न्यूज अपडेट

विधानसभा में सपा सदस्यों के हंगामे के बीच छह विधेयक पारित

लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों के हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 और उप्र लोक अभिलेख विधेयक-2025 समेत छह विधेयक पारित किये गये। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इन विधेयकों के पारित होने की घोषणा की। इसके पहले संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 के संदर्भ में बताया कि जीएसटी पहले केन्द्र सरकार और फिर राज्य सरकार पास करती है। उन्होंने कहा कि इसमें एकरूपता लाने और करदाताओं की सुविधा के लिए इसे लाया गया है। विधेयक के पक्ष में बहुमत होने से अध्यक्ष ने इसे पारित करने की घोषणा की। संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने उप्र लोक अभिलेख विधेयक, 2025 की ग्राह्यता पर बल देते हुए सदन को बताया कि विभिन्न न्यायालयों में अभिलेखों को सुरक्षित करने के लिए इस विधेयक का लोक महत्व है, इसलिए इसे पारित किया जाए। सिंह के प्रस्ताव के समर्थन में सदस्यों का बहुमत होने से अध्यक्ष ने इसे पारित करने की घोषणा की। इसके अलावा उप्र निरसन विधेयक, 2025, उप्र निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, उप्र निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 और उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित करने का प्रस्ताव संबंधित मंत्रियों ने रखा जो सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों का बहुमत होने की वजह से पारित हो गया।

बिहार के अस्पताल में पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए लाए गए शव को घसीटा गया, शवगृह सहायक निलंबित

बेतिया : बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में एक सरकारी अस्पताल के अंदर एक व्यक्ति का शव घसीटते हुए ले जाने का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह घटना बेतिया शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) की है। जिला मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शव को पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए अस्पताल लाया गया था। उन्होंने बताया, 'यह घृणित वीडियो कल ही मेरे संज्ञान में आया और मैंने जीएमसीएच के प्राचार्य से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मुझे बताया है कि क्लिप में दिख रहे शवगृह सहायक को निलंबित कर दिया गया है। इसमें एक पुलिसकर्मी भी शामिल था। हमने उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।' उन्होंने कहा, 'भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो इसके लिए सुझाव देने के मकसद से एक समिति भी गठित की गई है, जिसे 72 घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।' घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो गया, जिसमें दो लोग शव को स्ट्रेचर पर ले जाने के बजाय उसे घसीटते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बिहार में बाघ के हमले में एक बुजुर्ग की मौत, एक वन रक्षक घायल

पटना : बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में वाल्मीकि बाघ अभयारण्य (वीटीआर) के पास एक गांव में बाघ के हमले में 67 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई और एक वन रक्षक घायल हो गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान मथुरा महतो के रूप में हुई है। वीटीआर के क्षेत्रीय निदेशक नेशामणी के. ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि यह घटना सोमवार को उस समय की है जब महतो घोराघाट गांव में अपने खेत में काम कर रहे थे। अधिकारी ने कहा, 'ग्रामीणों ने देखा कि वह (महतो) अचानक अपने खेत से गायब हो गए। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। इस दौरान उन्होंने उस जगह बाघ के पैरों के निशान देखे जहां महतो काम कर रहा था। उन्होंने वन अधिकारियों को सूचित किया। वन गश्ती दल की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और महतो का पता लगाने के लिए तलाश अभियान शुरू किया।' नेशामणी ने बताया, 'गश्ती कर रहे वन रक्षकों को महतो का शव एक झाड़ी में मिला। जब उन्होंने उसका शव निकालने की कोशिश की तो वहीं बैठे बाघ ने एक वन रक्षक पर हमला कर उसे घायल कर दिया और वहां से भाग गया।' उन्होंने बताया कि वन रक्षक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

समीक्षा

मनोरंजन

चिंपू को मिला सबक

हेमंत यादव

चिंपू बंदर फारेस्ट विभाग के ऑफिस में काम करता था। लोकल ट्रेन से वह रोज सुबह आफिस जाता और शाम तक घर लौट आता था।

वह जब ट्रेन में सवार होता तो सीट पर बैठते ही ऊंघने लगता था। नींद में उसकी गरदन कभी बायीं तो कभी दायीं तरफ बैठे जानवर के कंधे से टकरा जाती। कभी सामने की तरफ इतना झुक जाती कि वह गिरते गिरते बचता, उसे अपने बैग की भी सुध नहीं रहती थी। उसकी ऊंघने की आदत पर आसपास बैठे जानवरों से उसे कई बार झिड़की भी सुननी पड़ जाती थी तो कभी मजाक भी सुनना पड़ जाता था।

कोई कहता, 'अरे भाई, घर में रात भर सोते नहीं हो क्या जो ट्रेन में ऊंघ रहे हो।

कोई मजाक उड़ाता, 'लगता है यह घर में रात में मच्छर मारता है, इसलिए यहां ट्रेन में सो रहा है।'

ऊंघने की आदत के कारण ट्रेन में रोज उसे जानवरों से झिड़की और बातें सुननी पड़ती थी लेकिन फिर भी उसकी यह आदत नहीं छूटती थी।

लोकल ट्रेन में काफी भीड़ रहती थी। एक दिन चिंपू ने सोचा कि अगर मैं किसी जानवर के लिए सीट रख लूं तो वह मेरे ऊंघने पर एतराज नहीं करेगा। वह मेरे बैग की रखवाली भी करेगा।

एक दिन वह ट्रेन में सवार हुआ और अपना बैग एक खाली सीट पर रखकर बैठ गया।

तभी वहां एक लोमड़ आया।

'क्या यह बैग आपका है?' लोमड़ ने बैग की तरफ देखते हुए चिंपू से पूछा, 'मैं यहां बैठ जाऊं?'

चिंपू ने बैग उठा कर गोद में रख लिया और कहा, 'बैठ जाइए।'

'थैंक्यू,' कहकर लोमड़ बैठ गया।

'कहां तक जाएंगे आप?' चिंपू ने लोमड़ से पूछा।

'मैं बीयरपार्क तक जाऊंगा।' लोमड़ ने कहा।

लोमड़ से बात करते करते चिंपू ऊंघने लगा।

'लगता है आपको नींद आ रही है' लोमड़ ने कहा।

'हां, ट्रेन में बैठते ही मुझे नींद आने लगती है,' चिंपू बोला, 'आप तो बीयरपार्क तक जाएंगे। मैं जरा सी झपकी मार लेता हूं। मुझे भी वहीं तक जाना है। जरा मेरे बैग का ख्याल रखिएगा।'

इतना कह कर चिंपू झपकी लेने लगा।

चिंपू को झपकी लेते देख लोमड़ ने धीरे से उस का बैग उठाया और अगले स्टेशन पर चुपके से उतर गया।

कुछ देर बाद किसी ने चिंपू को जगाया और पूछा, 'अरे भाई, कहां जाना है?'

चिंपू हड़बड़ाता हुआ बोला, 'बीयरपार्क आ गया है? वह लोमड़ कहां गया? मेरा बैग भी नहीं है।'

'लोकल ट्रेन में सोओगे तो बैग गायब होगा ही,' सामने की सीट पर बैठे खरगोश ने कहा, 'थोड़ी सी दूर जाने में भी भला कोई सोता है।'

'दरअसल ट्रेन में बैठते ही मुझे ऊंघ आने लगती है। मुझे क्या पता था कि सोते ही वह चोर लोमड़ मेरा बैग चुरा कर भाग जाएगा।' चिंपू बोला।

उसकी बात सुनकर खरगोश ने कहा, 'इसमें तो गलती तुम्हारी है। ट्रेनों में चोर ऐसे ही मौके की तलाश में रहते हैं। तुम्हें अपनी गलती से सबक लेना चाहिए। लोकल ट्रेन में कभी नहीं सोना चाहिए।'

'तुम ठीक कहते हो। अब मैं लोकल ट्रेन में कभी नहीं सोऊंगा।' चिंपू ने दुखी मन से कहा और अपना स्टेशन आते ही उतर कर आफिस की तरफ चल दिया। (उर्वशी)

सच्चाई की जीत

गाँव में रमेश रहता था। वो स्कूल में पढ़ता था और बहुत मेहनती था। एक दिन स्कूल में मास्टर जी की टेबल से 50 रुपये गायब हो गए। मास्टर जी गुस्से में थे। उन्होंने सारे बच्चों से पूछा, किसने पैसे लिए? कोई नहीं बोला। फिर एक लड़के ने रमेश पर इल्ज़ाम लगाया, मैंने इसे देखा, वो टेबल के पास था। रमेश घबरा गया। उसने कहा, मास्टर जी, मैंने कुछ नहीं लिया। मैं तो किताब लेने गया था।

मास्टर जी को शक हुआ। उन्होंने रमेश की जेब चेक की, लेकिन कुछ नहीं मिला। फिर भी गाँव में बात फैल गई कि रमेश चोर है। रमेश उदास हो गया। उसने अपने दोस्त से कहा, मैं सच बोल रहा हूँ, लेकिन कोई मानता नहीं। उसका दोस्त बोला, सच्चाई छिप नहीं सकती। कुछ दिन बाद असली चोर पकड़ा गया। वो वही लड़का था जिसने रमेश पर इल्ज़ाम लगाया था। उसने माफी माँगी। मास्टर जी ने रमेश को बुलाया और कहा, तूने सच बोला, मुझे गर्व है।

रमेश की सच्चाई सबके सामने आई। गाँव वालों ने उसकी तारीफ की और उसे सम्मान दिया।

कहानी से सीख

ये कहानी सिखाती है कि सच्चाई की राह मुश्किल हो सकती है, लेकिन वो हमेशा जीतती है।

बिना विचारे लिया गया निर्णय

एक बार की बात हैं एक गाँव में राहुल नाम का एक लड़का रहता था। जिसने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली थी, अब उसे शहर से नौकरी के लिए बुलावा आया। वह अपना सारा समान लेकर, ट्रेन से उस शहर के लिए चल दिया। अगली शाम जब वह स्टेशन पर उतरा तो उस स्टेशन पर सिर्फ एक ऑटो वाला खड़ा था। रामू उसके पास गया और अपनी कंपनी का पता दिखाते हुए पूछा कि यह पट कहाँ पर होगा।

ऑटो वाले ने बोला, बाबूजी यह जगह यहाँ से दस किलोमीटर दूर हैं, चलिए मैं आपको छोड़ देता हूँ। रामू ने आटो वाले से किराया पूछा उसने दो सौ रुपये बताया। रामू ने बोला मैं इतना नहीं दूंगा मैं आपको सिर्फ सौ रुपए दूंगा। ऑटो वाले ने मन कर दिया। रामू एक तरफ पैदल-पैदल जाने लगा। आटो वाले ने उसे दुबारा रोकने की कोशिश की, लेकिन रामू नहीं माना। अब रामू को चलते-चलते रात हो चुकी थी कुछ दूर और आगे जाने के बाद वही ऑटो वाला फिर से उसे मिला। राहुल अब बहुत परेशान हो चुका था। उसने बोला चलो कोई बात नहीं दो सौ रुपये ले लो और मुझे छोड़ दो।

ऑटो वाले ने बोला, अब चार सौ रुपये लगेंगे, राहुल झल्ला उठा और बोलने लगा कि आप मेरी मजबूरी का फायदा उठा रहे हो। उसके बाद आटो वाले ने कहा नहीं बाबूजी यह बात नहीं हैं, बात यह हैं कि जिस तरफ आपको जाना था आप ठीक उल्टी दिशा में आ गए हैं। अब हमें फिर से स्टेशन होते हुए आप के ऑफिस जाना पड़ेगा।

ऑटो वाले की बात सुनते ही राहुल ने चुपचाप अपना सामान उठाया और ऑटो में बैठ गया। आटो वाला उसे उसके सही पते पर छोड़ने के लिए चल पड़ा। कहा जाता हैं कि अपने पाँव पर चलना, मेहनत करना, हार न मानना यह सब सही हैं। लेकिन अगर दिशा गलत हो जाए तो वही मेहनत हमें गर्त में ले जाती हैं। हमें पीछे भी धकेल सकती हैं, इसलिए अपनी सही दिशा चुनिए ,मेहनत करिए और आगे बढ़िए।

नैतिक शिक्षा: हम मेहनत तो बहुत कर रहे हैं, लेकिन क्या हमने कभी यह आकलन किया कि हम किस दिशा में मेहनत कर रहे हैं। हमें मेहनत के साथ-साथ सही दिशा का भी ध्यान रखना चाहिए।

महाराजा रणजीत सिंह का राज्य 'राम राज्य'

सुरजीत सिंह साहनी

महाराजा रणजीत सिंह जो महाबली, महादानी, महायोद्धा, कुशल प्रशासक, सर्वश्रेष्ठ प्रजापालक एवं न्यायविद थे, इतने उदार दिल थे कि एक दिन घोड़े पर सवार होकर निरीक्षण पर जा रहे थे तो एकाएक फेंका हुआ पत्थर गलती से उनको आ लगा जो बेर तोड़ने के लिए बच्चे बेरी के पेड़ को ही मार रहे थे।

तुरत फुरत उन्होंने दरबारियों को कहा कि बच्चों को बिल्कुल भी तंग न किया जाये क्योंकि पत्थर लगने से बेरी का पेड़ इनको बेर देता है किन्तु पत्थर तो बेरी के पेड़ के स्थान पर राजा को लगा है, इसलिए मुझसे तो इनको बेर के स्थान पर सोने की मोहरें ही मिलनी चाहिए। सोने की मोहरें पाकर बच्चे खुशी खुशी घर लौट गये।

दयालुता, सेवाभाव के प्रसंग तो महाराजा रणजीत सिंह के प्रतिदिन के जीवन के अंग ही बन चुके थे। एक गरीब वृद्ध ब्राह्मण महिला अपने घर से खाना बनाने वाला लोहे का तवा अपने साथ दरबार में ले आयी और चुपके से ही महाराज के कपड़ों से रगड़ने लग गयी।

काले कपड़े होते देख महाराजा ने धीरे से वृद्ध महिला से इसका कारण पूछा जवाब में महिला ने कहा कि सुना है - राजा पारस हुआ करते हैं और पारस से लोहा रगड़ने पर वह सोना बन जाता है। अपनी दरिद्रता मिटाने के लिए मैंने भी ऐसा ही किया किन्तु यह तो फिर भी लोहा ही रहा।

वृद्धा पर करूणाभरी दृष्टि डालते हुए तुरन्त महाराज बोल पड़े - 'नहीं माता, देखो यह सोने का बन चुका है। महाराज के आदेश से लोहे के तवे के तोल बराबर सोना वृद्ध महिला को देकर सम्मानपूर्वक घर भेज दिया गया। शेरे पंजाब तो वाकई ऐतिहासिक सच्चे पारस ही थे।

ब्रिटिश साम्राज्य की इनके राज्य की सीमाओं के पास फटकने तक की भी हिम्मत नहीं होती थी। उन्होंने हरिद्वार, काशी, ज्वालामुखी, कांगड़ा, कटास आदि अनेकानेक हिन्दू मंदिरों एवं धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार एवं निर्माण कराया और अन्य आर्थिक सहायता प्रदान कर विश्वनाथ मंदिर को स्वर्णपत्रा से आच्छादित कराया।

अनेकानेक मस्जिदों-मजारों जिसमें लाहौर की भिखारी शाह की सुनहरी मस्जिद, हजरत की मजार, मुल्तान में पीर बहावल की मजार इत्यादि प्रमुख हैं, का पुनरूद्धार एवं निर्माण कराया एवं अन्य आर्थिक सहायता प्रदान की। स्वर्ण मंदिर, अकाल तख्त अमृतसर, दरबार साहिब, पटना साहिब एवं हजूर साहिब नांदेड़ इत्यादि अनेक ऐतिहासिक गुरूद्वारों एवं धर्म स्थानों की सेवा कराई एवं आर्थिक सहायता प्रदान की। 'मानस की जात सभै एकै पहचानबो'।

शेरे पंजाब की अपनी सेना के जरनैलों को सख्त हिदायत थी कि जीते हुए इलाकों में किसी धर्म, धर्म स्थल, धर्म पुस्तक का अपमान न होने पावे, लूट मार न हो और किसी भी धर्म की महिला को पूर्ण सम्मान मिले। उन के राज्य में सबको पूरी पूरी आजादी थी और 'सर्व हिताय सर्व सुखाय' ही राज्य का मुख्य उद्देश्य था। महाराजा सबके हमदर्द थे और स्वयं को 'सिंह साहिब' कहलवा कर बहुत प्रसन्न हुआ करते थे।

राज्य प्रबंधन के लिए मंत्री, अधिकारी अथवा कर्मचारी के चयन हेतु बिना भेदभाव केवल योग्यता और कार्यदक्षता ही आधार होता था जिसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, यूरोपी इत्यादि सभी को प्रजा सेवा करने का दायित्व मिला हुआ था। 'गुरूनानक गुरू गोविंद सिंह' 'नानकशाही' सिक्का होता था। 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणै सरबत दा भला। (उर्वशी)

न्यूज इन ब्रीफ

मालवाहक विमान के इंजन में आग लगी; विमान सुरक्षित उतरा, कोई हताहत नहीं: आधिकारिक सूत्र

चेन्नई : चेन्नई में मंगलवार को आ रही एक अंतरराष्ट्रीय माल-वाहक उड़ान के एक इंजन में आग लग गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। विमान के यहां उतरने के बाद ही आग पर काबू पा लिया गया और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह उड़ान मलेशियाई शहर कुआलालम्पुर से आ रही थी। विमान के उतरने के दौरान मालवाहक उड़ान के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलट ने संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने बताया कि विमान को आपात स्थिति में नहीं उतारा गया था और पायलट ने विमान को सुरक्षित उतार लिया।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने निरस्त्रीकरण, परमाणु अप्रसार पर वार्ता की

नयी दिल्ली : भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को परमाणु अप्रसार, निरस्त्रीकरण और बाह्य अंतरिक्ष की सुरक्षा से संबंधित घटनाक्रम पर केंद्रित वार्ता की। यह चर्चा निरस्त्रीकरण, अप्रसार और निर्यात नियंत्रण पर भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय वार्ता की बैठक में हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने परमाणु, रासायनिक, जैविक निरस्त्रीकरण और अप्रसार, बाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा से संबंधित मामलों, सैन्य क्षेत्र में एआई सहित पारंपरिक हथियारों और बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं के क्षेत्रों में विकास पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि इस वार्ता से परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण और वैश्विक विकास की आपसी समझ और सराहना बढ़ी है। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (निरस्त्रीकरण एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामले) मुआनपुई सैयावी ने किया। ऑस्ट्रेलियाई पक्ष का नेतृत्व विदेश मामलों और व्यापार विभाग की राजदूत वैनेसा वुड ने किया।

भारतीय फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स पर अमेरिका ने नहीं लगाया है कोई अतिरिक्त शुल्क : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अमेरिका को भारत से किये जाने वाले निर्यात पर अब तक कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया गया है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि भारत से अमेरिका को निर्यात किये जाने वाले कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत की दर से पारस्परिक टैरिफ (शुल्क) लगाया गया है, जो सात अगस्त से प्रभावी है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के तहत अमेरिका को भारत से निर्यात किये जाने वाले कुल माल का लगभग 55 प्रतिशत इस पारस्परिक टैरिफ के अधीन है। उन्होंने बताया कि भारत से निर्यात किये जाने वाले कुछ माल पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत का अतिरिक्त मूल्यानुसार शुल्क लगाया गया है। प्रसाद ने सदन को बताया, ''अब तक फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अमेरिका को भारत से किये जाने वाले निर्यात पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया गया है।''

अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में सुरेश रैना 13 अगस्त को ईडी के सामने होंगे पेश

नयी दिल्ली : भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धनशोधन मामले की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष बुधवार को पेश हो सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि 38 वर्षीय रैना को 1एक्सबीईटी नामक ऐप से जुड़े अवैध सट्टेबाजी मामले में पूछताछ के लिए 13 अगस्त को एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के जरिए इस ऐप से जुड़े हुए हैं। ईडी अधिकारी पूछताछ के दौरान यह जानने का प्रयास करेंगे कि वह इस ऐप संबंधी मामले में कैसे जुड़े।

अभी पिक्चर बाकी है

राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए कहा

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर ''एक व्यक्ति, एक वोट'' के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों की ओर इशारा करते हुए कहा, ''अभी पिक्चर बाकी है।'' पार्टी सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 24, अकबर रोड स्थित कार्यालय में कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और अनुषंगी संगठनों के प्रमुखों की बैठक में गांधी के कहा कि कांग्रेस ने ''महादेवपुरा जैसी वोट चोरी'' के कारण कम से कम 48 लोकसभा सीट पर हार का सामना किया।'' उन्होंने बताया कि पार्टी निकट भविष्य में अन्य सीट पर भी 'वोट चोरी' के बारे में कई और खुलासे कर सकती है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा करने का कार्य कर रही है और वह ऐसा करना जारी रखेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कहा, ''यह सिर्फ एक सीट की बात नहीं है (जहां 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई सीट की बात है। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग जानता है और हम भी जानते हैं।'' गांधी ने कहा, ''पहले सबूत नहीं था, लेकिन अब है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। 'एक व्यक्ति, एक वोट' संविधान की नींव है और इसे लागू करना चुनाव आयोग का कर्तव्य है और उन्होंने अपना कर्तव्य नहीं निभाया। इसलिए हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं और करते रहेंगे। हम रुकेंगे नहीं।'' बिहार की मतदाता सूची में कथित तौर पर दर्ज 124 वर्षीय मिंता देवी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, ''ऐसे अनगिनत मामले हैं। अभी पिक्चर बाकी है।'' गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार सहित विपक्षी सांसदों ने सोमवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ संसद भवन से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और नाटकीय घटनाक्रम के बीच कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया। बाद में सांसदों को रिहा कर दिया गया। गांधी ने बाद में, अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, ''निर्वाचन आयोग ने 300 विपक्षी सांसदों को गिरफ्तार कर लिया। आज लोकतंत्र का यही हाल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से बात की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ फोन पर बातचीत की। इसमें व्यापार, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रधानमंत्री ने मिर्जियोयेव के साथ अपनी फोन वार्ता को ''सार्थक'' बताया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की तथा भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की।'' फोन कॉल की पहल उज्बेकिस्तान की ओर से की गई थी। यह पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली शिखर वार्ता से पहले हुई है, जिसमें यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की।

जांच एजेंसियां वकीलों को तलब कर रहीं, हम देश के सभी नागरिकों के संरक्षक: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह देश के सभी नागरिकों का ''संरक्षक'' बताया और मामलों में मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करते समय जांच एजेंसियों द्वारा वकीलों को तलब किए जाने के संबंध में स्वत: संज्ञान मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, ''हम देश के सभी नागरिकों के संरक्षक हैं।'' पीठ ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। किसी वकील के किसी अपराध में शामिल होने के मुद्दे पर पीठ ने कहा कि उसने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ या उन्हें गढ़ने के संबंध में सलाह देने की उनकी सामान्य कार्यप्रणाली से कोई भी विचलन उनकी प्रतिरक्षा को समाप्त कर देगा।

धराली आपदा में 68 लोग लापता: उत्तराखंड

उत्तरकाशी : उत्तराखंड सरकार ने मंगलवार को आंकड़ों को संशोधित करते हुए कहा कि धराली आपदा में 68 लोग लापता हुए हैं जिसमें 25 नेपाली मूल के व्यक्ति शामिल हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, एक सप्ताह पहले उत्तरकाशी जिले के धराली में खीरगाड़ नदी में आयी भीषण बाढ़ में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई और 68 अन्य लापता हुए हैं। लापता लोगों में सेना के नौ जवानों के अलावा धराली गांव के आठ, आसपास के क्षेत्रों के पांच, टिहरी जिले का एक, बिहार के 13, उत्तर प्रदेश के छह, राजस्थान का एक और नेपाल के 25 नागरिक शामिल हैं। इससे पहले, सोमवार को गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय ने आपदा में एक व्यक्ति की मृत्यु होने और 42 लोगों के लापता होने की पुष्टि की थी। हालांकि, उन्होंने 24 नेपाली मजदूरों के भी लापता होने की आशंका व्यक्त की थी लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि उनके बारे में संबंधित ठेकेदारों से अधिक विवरण नहीं मिल पा रहा है। पाण्डेय ने कहा था कि पहले लापता माने जा रहे पांच नेपाली मजदूर मोबाइल फोन नेटवर्क बहाल होने के बाद सुरक्षित पाए गए थे और वो बता रहे हैं कि वे भी सुरक्षित हैं। इस संबंध में उन्होंने केदारनाथ आपदा का भी उदाहरण दिया था, जहां लापता बताए गए कई लोग प्रभावित क्षेत्र से वापस अपने घर पहुंच गए थे।

सरकार ने दिवाला कानून में संशोधन के लिए लोकसभा में विधेयक पेश किया

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला कानून में संशोधन के लिए मंगलवार को लोकसभा में एक विधेयक पेश किया, जिसमें वास्तविक कारोबारी विफलताओं से निपटने के लिए अदालत के बाहर तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक को पेश किए जाने के बाद, मंत्री के अनुरोध पर दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन की प्रवर समिति को भेज दिया गया। सीतारमण ने कहा कि समिति संसद के अगले सत्र के प्रथम दिन अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है। दिवाला कानून का क्रियान्वयन कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस मंत्रालय का प्रभार भी सीतारमण के पास है। वर्ष 2016 में पेश की गई इस संहिता में इसके लागू होने के बाद से छह विधायी संशोधन हो चुके हैं और आखिरी बार 2021 में संशोधन किया गया था। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में, मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित परिवर्तनों का उद्देश्य विलंब को कम करना और संहिता के तहत सभी प्रक्रियाओं के संचालन में सुधार करना है। बहुप्रतीक्षित विधेयक में ''लेनदार द्वारा शुरू की गई दिवालियापन समाधान प्रक्रिया'' का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें वास्तविक कारोबारी विफलताओं के लिए अदालत के बाहर पहल तंत्र की स्थापना का प्रावधान है, ताकि न्यूनतम कारोबारी व्यवधान के साथ तेज और अधिक लागत प्रभावी दिवालियापन समाधान संभव हो सके।

प्रधानमंत्री मोदी का आठ सितंबर को असम दौरा : मुख्यमंत्री हिमंत ने तैयारियों की समीक्षा की

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राज्य की आगामी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने यह जानकारी दी। सीएमओ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल से किये गए पोस्ट में कहा कि शर्मा ने आठ सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के गोलाघाट दौरे के मद्देनजर डेरगांव स्थित असम पुलिस कन्वेंशन सेंटर में तैयारियों की समीक्षा की। इसमें कहा गया है, ''माननीय प्रधानमंत्री नुमालीगढ़ रिफाइनरी जैव-उपचार संयंत्र का उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी तैयारियां प्रभावी ढंग से पूरी कर लें।'' सीएमओ के मुताबिक समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री अतुल बोरा, वित्त मंत्री अजंता नियोग, परिवहन मंत्री जोगेन मोहन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत और श्रम कल्याण मंत्री रूपेश गोवाला शामिल हुए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव रवि कोटा, पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी आठ सितंबर को गोलाघाट जिले से असम की अपनी यात्रा शुरू करेंगे, जहां वह नुमालीगढ़ में 4,200 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित बायो-एथेनॉल रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

कश्मीरी पंडित महिला की हत्या के दशकों पुराने मामले में जेकेएलएफ के पूर्व सदस्यों के घरों पर छापेमारी

श्रीनगर : आतंकवाद के प्रकोप के दौरान 35 साल पहले कश्मीरी पंडित समुदाय की एक महिला की हत्या की जांच फिर से शुरू हो गई है और राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने मंगलवार को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जेकेएलएफ के पूर्व सदस्यों से जुड़े आठ स्थानों पर छापेमारी की। सरला भट्ट अप्रैल 1990 में सोरा स्थित 'शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' के अपने छात्रावास से लापता हो गई थीं और बाद में श्रीनगर में मृत पाई गई थीं। वह एक नर्स थीं। अधिकारियों ने बताया कि एसआईए ने हाल में मामले की जांच अपने हाथ में ली और उसने हत्या के सिलसिले में कई ऐसे लोगों के आवासों पर छापे मारे जो पूर्व में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) से जुड़े थे। यह कार्रवाई मध्य कश्मीर में हुई है। एजेंसी के अधिकारियों ने जेकेएलएफ के पूर्व नेता पीर नूर-उल-हक शाह उर्फ एयर मार्शल के आवास पर भी तलाशी ली। अधिकारियों ने कहा, ''श्रीनगर जिले में आठ स्थानों पर की गई रणनीतिक तलाशी के परिणामस्वरूप कुछ अपराध से जुड़े साक्ष्य बरामद हुए हैं, जिससे पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाने के अंतिम उद्देश्य के साथ पूरी आतंकवादी साजिश का पर्दाफाश करने में मदद मिलेगी।

ईडी ने 'अवैध' सट्टेबाजी ऐप के खिलाफ मामले में कई राज्यों में छापेमारी की

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'अवैध' सट्टेबाजी ऐप के संचालन से संबंधित धन शोधन मामले की जांच के तहत मंगलवार को कई राज्यों में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस ऐप के जरिये लोगों से कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। सूत्रों ने बताया कि 'परीमैच' नाम के ऐप के खिलाफ मामले में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, मदुरै (तमिलनाडु) और सूरत (गुजरात) में कम से कम 15 परिसरों में छापेमारी की जा रही है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत दर्ज यह मामला मुंबई साइबर पुलिस द्वारा 2024 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है। सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह राशि जालसाजों ने 'म्यूल खातों' (अपराधियों द्वारा अवैध धन शोधन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले) में एकत्रित की थी और इसे कई भुगतान ऐप और एजेंटों के माध्यम से अलग-अलग प्राप्त किया गया था। सूत्रों ने बताया कि धोखाधड़ी के जरिये ठगी गयी धनराशि लगभग 2,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, इस राशि को अलग-अलग तरीकों से ठिकाने लगाया गया। सूत्रों ने बताया कि जालसाजों ने क्रिप्टो वॉलेट, तमिलनाडु के एक शहर के एक ही इलाके में स्थित एटीएम के माध्यम से नकद निकासी, कम मूल्य के यूपीआई भुगतान आदि के माध्यम से रुपये भेजे।

प्रियंका गांधी ने फलस्तीन पर भारत सरकार की चुप्पी की आलोचना की, राजदूत ने पलटवार किया

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ''नरसंहार'' कर रहा है और भारत सरकार फलस्तीन के लोगों पर इजराइल द्वारा ''बरपाए जा रहे कहर पर चुप'' है। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने कहा, 'शर्मनाक बात आपका ढकोसला है। इजराइल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार गिराया। मानव जीवन की भयानक क्षति का कारण हमास की घृणित रणनीतियां हैं जिनमें नागरिकों के पीछे छिपना, बाहर निकलने या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चलाना, और रॉकेट दागना। अजार ने प्रियंका गांधी के पोस्ट को टैग करते हुए 'एक्स' पर कहा, इजराइल ने गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुंचाया, जबकि हमास उसे ज़ब्त करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भुखमरी पैदा हो रही है। पिछले 50 साल में गाजा की आबादी 450 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन वहां कोई नरसंहार नहीं हुआ। हमास के आंकड़ों पर यकीन मत कीजिए। कांग्रेस ने इजराइली राजदूत की टिप्पणी को ''अस्वीकार्य'' बताया और प्रियंका गांधी की ओर से व्यक्त ''दर्द एवं पीड़ा'' के जवाब में उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों की निंदा की। प्रियंका गांधी ने कहा कि इजराइल गाजा में ''नरसंहार कर रहा है'' और ''60,000 से अधिक लोगों की हत्या कर चुका है, जिनमें से 18,430 बच्चे थे।'' उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''इसने कई बच्चों समेत सैकड़ों लोगों को भूखा रखकर मार दिया है और अब लाखों को भूखा मारने की धमकी दे रहा है।'' प्रियंका ने कहा कि इन अपराधों पर चुप रहना और कोई कार्रवाई न करना भी एक अपराध है।

'मुबारात' के जरिए मुस्लिम शादी खत्म करने के लिए लिखित समझौते की जरूरत नहीं: उच्च न्यायालय

अहमदाबाद : गुजरात उच्च न्यायालय ने कहा है कि मुस्लिम विवाह को 'मुबारात' के जरिये मौखिक आधार पर और बिना लिखित समझौते के समाप्त किया जा सकता है। 'मुबारात' इस्लाम में तलाक का एक ऐसा तरीका है जिसमें पति-पत्नी आपसी सहमति से शादी खत्म कर सकते हैं। न्यायमूर्ति एवाई कोगजे और न्यायमूर्ति एनएस संजय गौड़ा की खंडपीठ ने हाल में राजकोट की एक पारिवारिक अदालत के उस आदेश को निरस्त करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें एक मुस्लिम दंपति द्वारा 'मुबारात' के माध्यम से विवाह विच्छेद की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। खंडपीठ ने मामला पुनः पारिवारिक अदालत को भेजते हुए निर्देश दिया कि वह तीन महीने की अवधि में इस पर कार्यवाही पूरी करे। उच्च न्यायालय ने पारिवारिक अदालत के इस रुख से असहमति जताई कि विवाह विच्छेद के लिए लिखित समझौता आवश्यक है। उच्च न्यायालय ने कुरान, हदीस और मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए कहा कि यदि मुस्लिम दंपति आपसी सहमति से विवाह समाप्त करना चाहते हैं, तो इसके लिए लिखित समझौता आवश्यक नहीं है। राजकोट निवासी एक मुस्लिम दंपति ने वैवाहिक मतभेद के चलते पारिवारिक अदालत में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने विवाह को 'मुबारात' के ज़रिये समाप्त किए जाने की घोषणा की मांग की थी।

व्यापार समझौते में विदेशी दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री के मजबूत निर्णय के लिए किसान कृतज्ञ

देशभर के किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत निर्णय का आभार व्यक्त करते हुए समर्थन किया

नई दिल्ली : देशभर से आए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हित में लिए गए फैसले का स्वागत किया। यह कार्यक्रम पूसा कैंपस स्थित सुब्रह्मण्यम हॉल में आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और आईसीएआर महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित विभिन्न राज्यों के किसान नेता मौजूद रहे। किसान नेताओं ने अमेरिकी कंपनियों को कृषि व डेयरी सेक्टर में प्रवेश न देने के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अन्नदाताओं की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए कहा कि नकली खाद व उर्वरक बनाने वालों पर रोक के लिए सख्त कानून लाया जाएगा।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की कोई योजना नहीं: सरकार

नयी दिल्ली : केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने मंगलवार को संसद को बताया कि केंद्र सरकार की गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए कोई कानून बनाने की योजना नहीं है। वरिष्ठ भाजपा नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बघेल ने कहा, ''नहीं। संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार, केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण के अंतर्गत, पशुओं का संरक्षण एक ऐसा मामला है जिस पर राज्य विधानमंडल को कानून बनाने का विशेष अधिकार है।'' मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन-पोषण के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई पहलों को समर्थन देने और उन्हें सुदृढ़ करने के लिए दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन संचालित कर रही है।

हिमाचल: बारिश के कारण 398 सड़कें बंद, शिमला में पेड़ उखड़ने से वाहनों को नुकसान

शिमला : हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण भूस्खलन हो गया और पेड़ उखड़ जाने से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) सहित 398 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राजधानी शिमला में पेड़ उखड़कर गिर जाने से तीन-चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। टूटीकंडी इलाके में कई पेड़ गिर गए, जबकि विकास नगर में एक पेड़ के गिरने से एक इमारत की छत क्षतिग्रस्त हो गई। राज्य में कुल 398 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इन सड़कों में एनएच-305 का हिस्सा औट-सैंज सड़क, खाब से ग्रामफू (एनएच-505) और हाटकोटी से पांवटा साहिब (एनएच-707) शामिल हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, इनमें से 213 सड़कें मंडी जिले में और 85 कुल्लू जिले से लगी सड़कें हैं। चंबा-पठानकोट राजमार्ग दुनेरा के पास धंस गया, जिसके कारण सड़क बंद हो गई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने बुधवार और बृहस्पतिवार को पांच जिलों - बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर - में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रही। नगरोटा सूरियां में 180.2 मिलीमीटर बारिश हुई, गुलेर में 161.2 मिलीमीटर, घमरूर में 112.2 मिलीमीटर, नादौन में 78.5 मिलीमीटर, देहरा गोपीपुर में 76.2 मिलीमीटर, जोगिंदरनगर में 74 मिलीमीटर, कांगड़ा में 73.8 मिलीमीटर, भरेरी में 70.2 मिलीमीटर, पालमपुर में 69 मिलीमीटर, सुजानपुर टीरा में 66 मिलीमीटर, शिलारू में 54 मिलीमीटर, नेरी में 48.5 मिलीमीटर, शिमला में 45.6 मिलीमीटर और धर्मशाला में 42.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

छत्तीसगढ़ की सभी मस्जिदों और मदरसों में स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराना अनिवार्य: वक्फ बोर्ड

रायपुर : छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यभर की सभी मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का निर्देश जारी किया है। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में सोमवार को सभी मुतवल्लियों (वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार) को एक पत्र जारी किया गया है तथा उनसे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए कहा गया है। मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों के मुतवल्लियों को लिखे पत्र में बोर्ड ने कहा है, इस वर्ष 15 अगस्त 2025 को हमारा 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए लोकसभा ने तीन सदस्यीय समिति गठित की

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने के कई सांसदों के एक प्रस्ताव को मंगलवार को विचारार्थ स्वीकार कर लिया और उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की और इसके साथ ही न्यायमूर्ति वर्मा पर महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समिति के गठन की घोषणा करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए उन्हें न्यायाधीश के पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। बिरला ने कहा कि तीन सदस्यीय समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य शामिल होंगे। उन्होंने कहा, ''समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक प्रस्ताव (न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का) लंबित रहेगा।'' इससे पहले उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्हें गत 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कुल 146 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 की धारा 3 के साथ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के साथ पठित अनुच्छेद 217 और 218 के अंतर्गत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को एक समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है।

बर्मिंघम में लगाया दोहरा शतक हमेशा याद रहेगा: गिल ने आईसीसी पुरस्कार जीतने के बाद कहा

दुबई: इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में 754 रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को आईसीसी का महीने (जुलाई 2025) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने के बाद कहा कि एजबेस्टन में टीम की जीत में योगदान देने वाला उनका दोहरा शतक उन्हें हमेशा याद रहेगा। गिल ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर काफ़ी प्रेरित किया। उन्होंने पांच मैचों की इस शृंखला में चार शतक लगाए जिससे विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की गैरमौजूदगी में भी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रही। गिल ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला वियन मुल्डर को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। गिल ने उम्मीद जताई कि वह आने वाले सत्र में भी अपनी इस लय को जारी रखेंगे। गिल ने आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'जुलाई महीने का 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने जाने पर बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार इसका महत्त्व और भी ज्यादा है, क्योंकि यह कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट शृंखला में मेरे प्रदर्शन के लिए मिला है। बर्मिंघम (एजबेस्टन मैदान) में लगाया गया दोहरा शतक ऐसी उपलब्धि है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा और यह इंग्लैंड के मेरे दौरे के खास पलों में से एक होगा।'

ब्रेविस की रिकॉर्ड शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीका ने टी20 में ऑस्ट्रेलिया के विजय रथ को रोका

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया): डेवाल्ड ब्रेविस के रिकॉर्ड टी20 शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में मंगलवार को 53 रन से जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलिया के नौ मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाते हुए तीन मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर कर लिया। बाईस साल के ब्रेविस ने 56 गेंदों पर आठ छक्कों और 12 चौकों की मदद से नाबाद 125 रन की पारी खेली और फाफ डुप्लेसी के इस प्रारूप में 119 रनों के दक्षिण अफ्रीका के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। डुप्लेसी ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए इस प्रारूप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। ब्रेविस ने मैदान के चारों ओर बड़े शॉट की झड़ी लगा दी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 218 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की टीम टिम डेविड की 24 गेंद में 54 रन की आक्रामक पारी के बावजूद 17.4 ओवर में 165 रन पर आउट हो गयी। श्रृंखला के शुरुआती मैच में चार विकेट लेने वाले क्वेन मफाका ने एक बार प्रभावित करते हुए कैमरून ग्रीन (नौ), ग्लेन मैक्सवेल (16) और मिशेल ओवेन (आठ) जैसे खतरनाक बल्लेबाजों के विकेट चटकाये। उन्होंने 57 रन देकर तीन सफलता हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने सातवें ओवर में 57 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। इसमें मैक्सवेल (44 रन पर दो विकेट) ने कप्तान एडेन मारक्रम (18) और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस (14) को पवेलियन की राह दिखाई। ब्रेविस ने इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स (22 गेंद में 31 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 126 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी के साथ मैच पर टीम का दबदबा कायम कर दिया। उन्हें 25 गेंद में अर्धशतक पूरा करने के बाद जीवनदान मिला जब मैक्सवेल की गेंद पर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक मैथ्यू कुहनेमान ने उनका कैच टपका दिया। ब्रेविस ने इसके बाद बेहद आक्रामक तेवर दिखाते हुए मैक्सवेल, एडम जंपा (46 रन पर एक विकेट), और जोश हेजलवुड (56 रन पर एक विकेट) की बखिया उधेड़ते हुए महज 16 गेंद के अंदर अगले 50 रन जोड़कर 41 गेंद में अपना शतक पूरा किया।

रोहित ने भारत के पूर्व सहायक कोच नायर के साथ अभ्यास शुरू किया

मुंबई: भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को मुंबई के एक उपनगरीय सुविधा केंद्र में पूर्व राष्ट्रीय सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ अभ्यास शुरू किया। इंग्लैंड में कम अनुभव वाली टेस्ट टीम की सफलता के बाद 50 ओवर के प्रारूप में भी युवाओं को तरजीह देने के मांग के बीच रोहित ने लगभग दो महीने के ब्रेक के बाद वापसी की। रोहित ने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे से पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दो महीने के लिए खेल से दूर रहे। वह अब केवल एक प्रारूप के खिलाड़ी हैं। वह इंग्लैंड में परिवार के साथ छुट्टी पर थे और पिछले सप्ताह वापस आए। रोहित ने अपने करीबी दोस्त नायर के साथ जिम से एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की। नायर कभी-कभी उनके निजी कोच की भूमिका भी निभाते हैं। नायर ने दिनेश कार्तिक, केएल राहुल, रिंकू सिंह और युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी जैसे खिलाड़ियों के साथ भी काम किया है। वह चैंपियंस ट्रॉफी तक भारत के सहायक बल्लेबाजी कोच थे जिसके बाद उन्हें हटा दिया गया था। जिन लोगों ने भी नायर के साथ व्यक्तिगत रूप से काम किया है, उन्होंने उनके खेल में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में बात की है और इसमें राहुल भी शामिल हैं। राहुल ने इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से पहले उनके साथ काम किया था और उन्होंने इस दौरे पर 532 रन बनाए थे।

दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर, मंधाना बल्लेबाजों की सूची में फिसली

दुबई: भारत की दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 की नवीनतम रैंकिंग में गेदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बल्लेबाजों के बीच शीर्ष से दूसरे स्थान पर खिसक गईं। दीप्ति पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ 732 रेटिंग अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सादिया रैंकिंग में पहले स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गयी जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड चार रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ पहली बार शीर्ष रैंकिंग की टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज बनने में सफल रही। सादिया ने आयरलैंड के खिलाफ शृंखला में सिर्फ़ तीन विकेट लेने के बाद रेटिंग अंक गवां दिये। पाकिस्तान महिला टीम इस शृंखला को 1-2 से हार गई थी।

शिवम अरोड़ा सेमीफाइनल में, कोठारी हारे

चेंगदू (चीन): भारत के शीर्ष हेबॉल खिलाड़ी शिवम अरोड़ा ने मंगलवार को यहां विश्व खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। 'हेबॉल' स्नूकर और पूल दोनों का मिश्रण है। यह अनोखा क्यू खेल 'वर्ल्ड पूल-बिलियर्ड एसोसिएशन (डब्लयूपीए)' के नियमों का पालन करता है। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज अरोड़ा ने रोमांचक मैच में हांगकांग चीन के यिप किन लिंग को 5-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अंतिम चार में उनके सामने झांग ताइयी की चुनौती होगी। पुरुषों के स्नूकर के क्वार्टर फाइनल में राष्ट्रीय चैंपियन सौरव कोठारी को हार का सामना करना पड़ा। चीन के जियाओ गुओडोंग ने कोठारी को 2-0 (67-2, 87 (69) -1) से हराया।

हरियाणा को हराकर झारखंड बना जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियन

काकीनाडा: झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को यहां हरियाणा को 2-1 से हराकर 15वीं जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप डिविजन 'ए' का खिताब अपने नाम कर लिया। स्वीटी डुंगडुंग (10 वें मिनट) और शांति कुमारी (12वें मिनट) ने पहले क्वार्टर में गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हरियाणा की कीर्ति (52वें मिनट) ने आखिरी क्षणों में गोल करके मैच में टीम की वापसी कराने की कोशिश की। हरियाणा के खिलाड़ी हालांकि इसके बाद कोई और मौका बनाने में नाकाम रहे।

आईओए की एसजीएम में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की भारत की दावेदारी को मंजूरी मिलेगी

नयी दिल्ली: भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए बोली को बुधवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान औपचारिक मंजूरी मिल जाएगी क्योंकि देश इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी का मजबूत दावेदार बनकर उभरा है। आईओए मुख्यालय में एसजीएम का मुख्य एजेंडा 'भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए राष्ट्रमंडल खेल (पूर्व सीजीएफ) को बोली प्रस्तुत करने की मंजूरी और इससे संबंधित अन्य कार्य' है। एसजीएम में दो अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी जिसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लेखापरीक्षित खातों के विवरण पर विचार और उसे पारित करना और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सांविधिक लेखा परीक्षक को नियुक्त करना। यह एसजीएम बैठक है इसलिए चर्चा केवल तीन उल्लिखित एजेंडे तक ही सीमित रहेगी। भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र प्रस्तुत कर दिया है।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित होने से महत्वपूर्ण सुधार हासिल: मांडविया

नयी दिल्ली: खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के पारित होने से भारत के खेल परिदृश्य में बदलाव आएगा और निर्णय प्रक्रिया खिलाड़ी केंद्रित होगी। लोकसभा से मंजूरी मिलने के एक दिन बाद राज्यसभा में विधेयक पारित होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार अब अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करने के लिए पदक रणनीति बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। मांडविया ने कहा, 'इस सुधार से देश का खेल क्षेत्र बदलेगा। दुनिया के 20 देशों के पास खेल कानून हैं और भारत अब उनके बराबर होगा।' उन्होंने कहा, 'आने वाले दिनों में हम अपनी पदक तालिका रणनीति तैयार करेंगे जिसके आधार पर अगले 10 वर्षों में हम विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर होंगे।' एक अरब से अधिक की आबादी वाले देश भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक प्रदर्शन 2021 तोक्यो खेलों में हासिल किए गए सात पदक हैं जिसमें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता रहे थे। निचले सदन में तेजी से पारित होने के बाद खेल विधेयक पर राज्यसभा में दो घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। खेल विधेयक की तीन महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं। राष्ट्रीय खेल बोर्ड, जिसके पास राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने और उनकी मान्यता रद्द करने का अधिकार होगा।

भारतीय महिला टीम विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है: दालिमा छिब्बर

नयी दिल्ली: भारतीय महिला फुटबॉल टीम के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने से उत्साहित डिफेंडर दालिमा छिब्बर ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के उद्देश्य से उतरेगी। दालिमा ने विश्वास व्यक्त किया कि प्यारी खाखा और संगीता बासफोर जैसी बेहतरीन खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन करके इतिहास रच सकती है। सुब्रतो कप स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट के शुभारंभ के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दालिमा ने कहा, ''यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है और हमने अपनी क्षमताओं के दम पर क्वालीफाई किया है।' उन्होंने कहा, 'हम एक सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में हमारी अंडर-20 टीम ने भी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है।

नेपाल की टीम ने बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया

नयी दिल्ली: (भाषा) नेपाल की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालीफ़ायर के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में अभ्यास किया । यह भारत और नेपाल के बीच बढ़ते सहयोग का एक और उदाहरण है। बीसीसीआई पड़ोसी देश को क्रिकेट टीम के रूप में अपनी साख बेहतर बनाने में मदद कर रहा है। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, 'आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालीफायर की तैयारी के तहत नेपाल की राष्ट्रीय टीम ने दो सप्ताह के विशेष शिविर में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया। टीम ने सुविधाओं का पूरा उपयोग किया और आगामी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए कौशल, फिटनेस और खेल की विभिन्न स्थितियों पर काम किया।' इस शिविर का उद्देश्य टी-20 विश्व कप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों के कौशल को बेहतर करना था। नेपाल की पुरुष टीम ने पिछले साल अगस्त में भी बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया था और भारत में आयोजित घरेलू अभ्यास टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया था।

अमेरिकी शुल्क की चिंता न करें, नए बाजार तलाशेंगे: कृषि मंत्री चौहान

नयी दिल्ली: कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को किसानों से अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी के कारण मौजूदा 'कठिन समय' को लेकर 'चिंता न करने' का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विशाल भारतीय बाजार कृषि उपज के निर्यात के लिए नए जगहों की तलाश करेगा। चौहान ने कहा कि भारत ने इस मामले में स्पष्ट रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में जो कहा था – कि 'वह देश के किसानों के हितों से समझौता नहीं करेंगे, चाहे इसके लिए उन्हें भारी कीमत क्यों न चुकानी पड़े' – वह ''भारत और भारतीय किसानों की आवाज' है। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है, जबकि दोनों देश एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक अधिक पहुंच की अमेरिकी मांग के कारण यह व्यापार समझौता अटका हुआ है। उन्होंने यहां पूसा परिसर में किसान नेताओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, 'आप चिंता मत कीजिए। देखते हैं क्या होता है... हम नए बाज़ार तलाशेंगे। भारत इतना बड़ा बाजार है कि इसकी खपत यहीं होगी।' अमेरिका की आबादी सिर्फ 30 करोड़ है, जबकि यूरोप की 50 करोड़। उन्होंने कहा, 'भारत की 140 करोड़ आबादी हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी ताकत है।' उन्होंने कहा, 'यह हमारी परीक्षा की घड़ी है और हमें (अमेरिका के सामने) झुकने की जरूरत नहीं है।' मंत्री ने कहा कि अमेरिका को कृषि क्षेत्र को अलग रखना चाहिए क्योंकि भारत और अमेरिका के बीच कृषि कार्यों और कृषि जोत के पैमाने की कोई 'उचित तुलना' नहीं है। भारत की तुलना में आनुवंशिक रूप से संवर्धित और अन्य तकनीकों के उपयोग के कारण अमेरिका में प्रति हेक्टेयर उत्पादन लागत भी कम है। मंत्री ने कहा कि अमेरिकी किसानों के पास 10,000-15,000 हेक्टेयर कृषि जोत है, जबकि भारतीय किसानों के पास तीन एकड़ से भी कम है।

ओडिशा, पंजाब, आंध्र में चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी, 4,594 करोड़ रुपये का होगा निवेश

नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुल 4,594 करोड़ रुपये के निवेश से चार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी संवाददाताओं को देते हुए कहा कि ये प्रस्ताव 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत स्वीकृत किए गए हैं। इस मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में वित्तीय मदद देने के लिए 76,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वैष्णव ने कहा, मंत्रिमंडल ने चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों को स्वीकृति दी है जिनकी स्थापना ओडिशा, पंजाब एवं आंध्र प्रदेश में की जाएगी। वैष्णव ने कहा कि ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस पर सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड 2,066 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस संयंत्र की वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिपों के विनिर्माण की होगी। उन्होंने कहा, ''सिलिकॉन कार्बाइड बेहद मजबूत सामग्री है और यह उच्च तापमान पर भी काम कर सकती है। इसका इस्तेमाल मिसाइल, उपग्रह, दूरसंचार टावर, रॉकेट और रेल इंजन में किया जाता है।'' ओडिशा में ही एक 3डी ग्लास निर्माण संयंत्र भी स्थापित होगा जिस पर 1,943 करोड़ रुपये का निवेश होगा। हेटेरोजीनस इंटीग्रेशन पैकेजिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के इस संयंत्र में अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां इंटेल एवं लॉकहीड मार्टिन सहित अन्य का निवेश होगा। इसकी उत्पादन क्षमता पांच करोड़ यूनिट की होगी। मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश में चिप पैकेजिंग संयंत्र को मंजूरी दी है, जिसे एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड 468 करोड़ रुपये के निवेश से लगाएगी। इसकी वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ चिप के विनिर्माण की होगी। मंत्रिमंडल ने पंजाब में 117 करोड़ रुपये के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना को भी मंजूरी दी है जिसकी स्थापना इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल करेगी। इस संयंत्र में सालाना 15.8 करोड़ चिपों का विनिर्माण किया जा सकेगा।

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों का माइलेज घटने की आशंका निराधार: पेट्रोलियम मंत्रालय

नयी दिल्ली: पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण वाले ईंधन 'ई-20' के इस्तेमाल से वाहनों का माइलेज घटने की चर्चाओं के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ईंधन दक्षता में भारी गिरावट आने की आशंकाएं निराधार हैं और इस ईंधन से वाहन बेहतर प्रदर्शन भी देता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गन्ना या मक्का से निकाले गए 20 प्रतिशत एथनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल के मिश्रण का राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रदूषण कम करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से है, जिसे कुछ लोग गलत सूचना फैलाकर पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ई-20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों के बीमा की वैधता पर भी कोई असर नहीं पड़ता है और कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में इस संबंध में फैलाया गया डर बेबुनियाद है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में ई-20 ईंधन को लेकर गंभीर आशंकाएं जताई गई हैं। कुछ लोगों ने कहा है कि इसके इस्तेमाल से वाहन के माइलेज में करीब सात प्रतिशत की गिरावट आई है जबकि कुछ लोगों ने इससे ई-10 वाहनों में रबर, धातु कलपुर्जों के जल्द खराब होने की आशंका जताई है। मंत्रालय ने कहा, यह कहना कि ई20 ईंधन से वाहन की दक्षता में 'भारी' कमी आती है, गलत है। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ईंधन दक्षता में कितने प्रतिशत की गिरावट आती है। मंत्रालय ने चार अगस्त को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, पेट्रोल की तुलना में कम ऊर्जा घनत्व होने के कारण एथेनॉल से माइलेज में मामूली कमी आती है। ई-10 के अनुकूल निर्मित एवं ई-20 के लिए समायोजित चार पहिया वाहनों के लिए यह अनुमान एक से दो प्रतिशत है जबकि अन्य वाहनों के लिए लगभग तीन से छह प्रतिशत का अनुमान है।

खाने का सामान सस्ता होने से खुदरा महंगाई जुलाई में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली: खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के साथ खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर आ गई। यह जनवरी 2019 के बाद पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से नीचे है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून में 2.1 प्रतिशत और जुलाई 2024 में 3.6 प्रतिशत थी। जुलाई 2025 की मुद्रास्फीति जून 2017 के बाद सबसे कम है। उस समय यह 1.46 प्रतिशत दर्ज की गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने कहा, 'जुलाई 2025 के महीने के दौरान कुल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट की मुख्य वजह अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और दालों व उत्पादों, परिवहन व संचार, सब्जियों, अनाज व उत्पादों, शिक्षा, अंडे तथा चीनी और 'कन्फेक्शनरी' के सामान की कीमतों में नरमी रही।' खाद्य वस्तुओं की महंगाई में जुलाई में सालाना आधार पर 1.76 प्रतिशत की गिरावट आई।

गौतम अदाणी को समन सौंपे जाने को लेकर भारत सरकार के संपर्क में: एसईसी

न्यूयॉर्क: अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में कहा है कि उसने उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को कानूनी दस्तावेज सौंपने के लिए भारत के विधि एवं न्याय मंत्रालय से सहयोग मांगा है। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अदालत के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश जेम्स आर चो के समक्ष दी गयी जानकारी में एसईसी ने कहा कि वह हेग सेवा कन्वेंशन (अंतरराष्ट्रीय संधि) के प्रावधानों के तहत समन और शिकायत को औपचारिक तौर पर प्रतिवादी तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। भारत में रहने वाले प्रतिवादियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर समन नहीं भेजा गया है।

निवेशकों के सतर्क रुख से सेंसेक्स 368 अंक फिसला, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई: मुद्रास्फीति का आंकड़ा आने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने और बैंकों के शेयरों में बिकवाली होने से मंगलवार को स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स 368 अंक टूटा जबकि निफ्टी को 98 अंकों का नुकसान हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 368.49 अंक यानी 0.46 प्रतिशत गिरकर 80,235.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 833.31 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 80,997.67 के ऊपरी एवं 80,164.36 के निचले स्तर तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 97.65 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 24,487.40 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि सतर्क निवेशक 15 अगस्त को होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता से भी आने वाले संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, इटर्नल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरकर बंद हुए। हालांकि, मारुति, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी में तेजी का रुख देखने को मिला। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक व्यापार से जुड़े घटनाक्रम और आने वाले मुद्रास्फीति आंकड़ों को देखते हुए घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार हुआ।

न्यूज अपडेट

वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच सोना 1,000 रुपये लुढ़का, चांदी 2,000 रुपये फिसली

नयी दिल्ली: वैश्विक बाजारों में बिकवाली के चलते मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1,000 रुपये गिरकर 1,01,520 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,02,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। स्थानीय बाजारों में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,000 रुपये टूटकर 1,01,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रहा। अबंस फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह स्पष्ट करने के बाद कि सोने के आयात पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा, सोने की कीमतों में गिरावट आई। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है, लेकिन इस घोषणा से व्यापार संबंधी चिंताएं कुछ कम हो गई हैं।'' इसके अलावा व्हाइट हाउस ने सोमवार को घोषणा की कि चीन पर लगाया गया भारी शुल्क अब 11 नवंबर तक निलंबित रहेगा। मेहता ने कहा कि इस फैसले से फिलहाल वृहत आर्थिक तनाव को कम करने में मदद मिली है, जिससे सोने की कीमतों में गिरावट आई।

रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 87.63 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों के उत्साहजनक होने तथा वैश्विक व्यापार तनाव कम होने की उम्मीद के बीच रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की मजबूती के साथ 87.63 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण रुपये की अधिक तेजी पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.70 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 87.59 से 87.73 प्रति डॉलर के दायरे में घट-बढ़ के बाद अंत में 87.63 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे अधिक है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.75 पर बंद हुआ था।

डीजीसीए ने पायलटों से प्रशिक्षण में खामियों के लिए इंडिगो को नोटिस भेजा

मुंबई/नई दिल्ली: विमानन नियामक डीजीसीए ने लगभग 1,700 पायलटों के 'सिम्युलेटर' प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। 'सिम्युलेटर' प्रशिक्षण में सीखने और कौशल विकास के लिए वास्तविक दुनिया की स्थितियों और कार्यों जैसा वातावरण कंप्यूटर की मदद से 'ऑनलाइन' तैयार किया जाता है। सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि पिछले महीने एयरलाइन से मिले रिकॉर्ड और जवाबों की जांच के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इंडिगो की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पाया कि लगभग 1,700 पायलटों के लिए श्रेणी सी या महत्वपूर्ण हवाई क्षेत्र प्रशिक्षण अयोग्य सिम्युलेटरों के साथ आयोजित किए गए। इनमें कमांड पायलट और प्रथम अधिकारी का प्रशिक्षण शामिल है। सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामक ने पाया कि जिन सिम्युलेटरों पर लगभग 1,700 पायलटों ने अपना प्रशिक्षण लिया, वे कालीकट, लेह और काठमांडू जैसे कुछ हवाई अड्डों पर संचालन के लिए योग्य नहीं थे।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। कर संग्रह में कमी की मुख्य वजह 'रिफंड' का अधिक होना है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। प्रत्यक्ष कर में कंपनियों, व्यक्ति, पेशेवरों और अन्य संस्थाओं की आय पर कर शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच में अब तक जारी 'रिफंड' 10 प्रतिशत बढ़कर 1.35 लाख करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध कंपनी कर संग्रह तीन प्रतिशत बढ़कर करीब 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार व कंपनी शामिल हैं) संग्रह 7.45 प्रतिशत घटकर 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा।

वर्ष 10, पूर्णांक 3326 अंक 136, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in